

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, शनिवार, मई 14, 1988 (वैशाख 24, 1910)
No. 20] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 14, 1988 (VAISAKHA 24, 1910)

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III—खण्ड 4 [PART III—SECTION 4]

संविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक
दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अप्रैल 1988

क्र० सं० दिक्षेका/उमप्र/सचि/88/458

1. श्री आर० कक्कड़, अधिकारी, वरिष्ठ वर्ग प्रबन्धन श्रेणी-5 ने दिनांक 27-2-1988 को शाखा प्रबन्धक, साऊथ एक्स०, पार्ट-I, नई दिल्ली शाखा का पदभार संभाला।

2. श्री पी० चन्द्रशेखरन, अधिकारी, वरिष्ठ वर्ग प्रबन्धन श्रेणी-4 ने दिनांक 21-7-1987 को प्रबन्धक (वा० एवं संस्था०) साऊथ एक्स० पार्ट-I, नई दिल्ली शाखा का पदभार संभाला।

3. श्री एच० आर० बत्रा, अधिकारी, वरिष्ठ वर्ग प्रबन्धन श्रेणी-5 ने दिनांक 16-1-1988 को शाखा प्रबन्धक, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली शाखा का पदभार संभाला।

4. श्री के० एल० गोवर, अधिकारी, मध्यम वर्ग प्रबन्धन श्रेणी-2 ने दिनांक 2-3-1987 को प्रबन्धक (वैयक्तिक), नेहरू प्लेस, नई दिल्ली शाखा का पदभार संभाला।

एच० बी० रंगस्वामी,
उप महा प्रबन्धक

इलाहाबाद बैंक

प्रधान कार्यालय

कलकत्ता-700 00, दिनांक 25 अप्रैल 1988

सं० विधि-1/88—सा० का० नि०—

बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अधिग्रहण और अन्तरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) की धारा 19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इलाहाबाद बैंक का निदेशक केन्द्रीय भारतीय रिज़र्व बैंक के परामर्श से तथा केन्द्रीय सेवा के पूर्व अनुमोदन से इलाहाबाद बैंक अधिकारी कर्मचारी (आचरण) विनियम 1976 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ : (1) इस विनियम का नाम अधिकारी कर्मचारी (आचरण) (संशोधन) विनियम 1988 होगा (2) यह राजपत्र में इसके प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

3. 3-9-87 को तथा से इलाहाबाद बैंक अधिकारी कर्मचारी (आचरण) विनियम 1976 के विनियम 20 उप-विनियम 4 में आई संक्षिप्ति तथा अंक "र० 2500/-"

संक्षिप्त तथा अंक "रु० 5000/-" द्वारा प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

एम० आर० सर्वाधिकारी
महायक महाप्रबन्धक (विधि)

न्यू बैंक ऑफ इंडिया

कार्मिक विभाग

प्र० का०

नई दिल्ली-1, दिनांक 27 अप्रैल 1988

मं० 5002—बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम-1980 (1980 का 40) की धारा-19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए न्यू बैंक ऑफ इंडिया के निदेशकमंडल, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके और केंद्र सरकार की पूर्वस्वीकृति से एतद द्वारा न्यू बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी कर्मचारी विनियम-1982 में निम्नलिखित और संशोधन करता है।

2. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ :—I. यह विनियम न्यू बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी-कर्मचारी (संशोधन) विनियम-1987 कहे जाएंगे।

II. यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

3. विनियम-23 में संशोधन

विनियम 23 (IV), 1-1-1987 को और इस तारीख से निम्नलिखित धारा प्रतिस्थापित समझा जाये :—

“23(4) 1-1-1987 को और इस तारीख से यदि कोई अधिकारी शैक्षणिक वर्ष के बीच एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित कर दिया जाये और यदि उसके एक या एक से अधिक बच्चे पिछले स्थान पर स्कूल या कालेज में पढ़ रहे हों, तो शैक्षणिक वर्ष के बीच स्थानान्तरित होने पर उसे रु० 150/- प्रतिमाह का भत्ता, दूसरे स्थान पर रिपोर्ट करने की तारीख से शैक्षणिक वर्ष की समाप्ति तक सभी बच्चों के लिए दिया जाएगा, परंतु सभी बच्चे पिछले स्थान पर अपनी पढ़ाई बंद कर दें तो उस स्थिति में वह भत्ता बंद कर दिया जाएगा।”

1-1-85 और इस तारीख से यदि विनियम-23 (1) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाये :—

(23) (vi) “1-1-1985 को और इस तारीख से यदि उससे एक बार कम-से-कम सात दिन के लिए किसी उच्चतर स्केल के किसी पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कराया जाये तो वह अपने मूलवेतन के 10 प्रतिशत के बराबर स्थानापन्न भत्ता पाने का हकदार होगा, जो उस अवधि के लिए अधिकतम रु० 250/-प्रतिमाह होगा, जिसके लिये उसने स्थानापन्न रूप से कार्य किया हो। स्थानापन्न भत्ते को भविष्य निधि के प्रयोजन के लिए वेतन माना

जाएगा, किन्तु अन्य प्रयोजनों के लिए नहीं। परंतु यदि कोई अधिकारी विनियम-6 के अंतर्गत एकमात्र पदों के वर्गीकरण के पुनरीक्षण के परिणामस्वरूप किसी उच्चतर ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए आता है तो जिस तारीख को वर्गीकरण का पुनरीक्षण किया जाएगा, उस तारीख से वह एक वर्ष की अवधि तक स्थानापन्न भत्ते का पात्र नहीं होगा।”

(III) 1-1-1985 को और इस तारीख से विनियम-23 () निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाएगा :—

“23 (x) 1-1-1985 को और इस तारीख से, यदि वह नीचे सारणी के कालम-1 में उल्लिखित स्थान पर काम कर रहा है तो उस स्थान के लिए उस सारणी के कालम-2 में उल्लिखित दर पर पहाड़ एवं इंधन भत्ता :—

सारणी

स्थान	दर
1	2
जो अधिकारी मध्यसमुद्री सतह से वेतन का 10 प्रतिशत 1500 मीटर और इससे अधिक गहन परंतु अधिकतम ऊंचाई पर हों।	रु० 130 प्रतिमाह
जो अधिकारी मध्य समुद्री सतह से वेतन का 8 प्रतिशत ऊपर 1000 मीटर और इससे अधिक परंतु अधिकतम 1500 मीटर में कम ऊंचाई 100/-रु० प्रतिमाह पर हों।	

विनियम 24 में संशोधन

1-1-1987 को तथा इस तारीख से विनियम-24(1) (ख) में खंड (1) के पश्चात् खंड () निम्नानुसार जोड़ा जाये :—

(24)(1)(ख) (v) 1-1-1987 को तथा इस तारीख से जहां मान्यता प्राप्त हस्पताल प्राधिकारियों तथा बैंक का चिकित्सा अधिकारी पारा यह प्रमाणित कर दिया जाये कि निम्नलिखित बीमारियों के संबंध में, जिनमें हस्पताल में रहकर उपचार करवाये जाने की आवश्यकता है, किये गये खर्च को हस्पतालीकरण-व्यय माना जाएगा और अधिकारी के मामले में 75 प्रतिशत तक तथा उसके परिवार के सदस्य के मामले में 50 प्रतिशत तक खर्चों की प्रतिपूर्ति की जायेगी :—

कैंसर, तपेदिक, लकवा हृदयरोग, रसोली चेचक, प्लूरिसी, डिप्थीरिया, कुष्ठ रोग, गुर्दे की बीमारी।

विनियम-42 में संशोधन

(1) 1-1-1987 को और इस तारीख से विनियम-42 (ii) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाये :—

“42 (2) (ii) 1-1-1987 को और इस तारीख से, यदि पूरे मालडिबे का पात्र अधिकारी, रेलवे द्वारा दी

ने वाली डिब्बा सेवा की सुविधा का लाभ उठाता है तो कनिष्ठ या मध्यम प्रबन्ध ग्रेड से होने पर उसे एक डिब्बे के और यदि वह वरिष्ठ या सर्वोच्च प्रबन्ध ग्रेड के है तो उसे दो डिब्बों के वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति की जाएगी यदि रेल द्वारा संबद्ध दो स्थानों के बीच सामान सड़क-परिवहन द्वारा ले जाया जाता है तो बिल प्रस्तुत किये जाने पर वास्तविक माल-भाड़े की प्रतिपूर्ति की जाएगी बशर्ते कि यह खर्च माल को रेलगाड़ी द्वारा ले जाये जाने पर अनुमत्य "अधिकतम मात्रा पर आने वाले खर्च से अधिक न हो। यदि तैनाती के पिछले या नये स्थान पर रेलवे स्टेशन या रेलवे से संबद्ध एजेंसी न हो तो अधिकारी को निकटतम रेलवे स्टेशन या रेलवे से संबद्ध एजेंसी तक सड़क द्वारा सामान ले जाने के लिए वास्तविक खर्च का भुगतान किया जाएगा। यदि दोनों ही स्थानों पर रेलवे स्टेशन या रेलवे से संबद्ध एजेंसी न हो तो अधिकारी को किसी अनुमोदित परिवहन-प्रचालक द्वारा निर्धारित भार तक का सामान सड़क से ले जाये जाने तक किया गया वास्तविक खर्च दिया जाएगा।

(II) 1-1-1987 को तथा इस तारीख से विनियम-42(3) निम्न से प्रतिस्थापित समझा जाये :—

"42 (3) 1-1-1987 को तथा इस तारीख से स्थानांतरित होने पर अधिकारी, पैकिंग, स्थानीय परिवहन तथा सामान के बीमा आदि के संबंध में किये गये खर्चों के लिए नीचे दिये गये अनुसार एक मुश्त राशि प्राप्त करने का पात्र होगा।

ग्रेड	एक मुश्त राशि
सर्वोच्च प्रबंध वर्ग तथा वरिष्ठ प्रबंध वर्ग	रु 1500/-
मध्यम प्रबंध वर्ग, तथा कनिष्ठ प्रबंध वर्ग	रु 1000/-

विनियम-44 में संशोधन

1-1-1987 को तथा इस तारीख से विनियम-44 (ii) निम्न से प्रतिस्थापित समझा जाये :—

"44(ii) 1-1-1987 को तथा इस तारीख से चार वर्ष में एक बार जब कोई अधिकारी छुट्टी-यात्रा रियायत लेता है तो उसे एक बार में अधिकतम एक महीने की अपनी साधिकार छुट्टी छोड़ कर उसके बदले धन लेने की अनुमति दी जा सकती है। इस प्रकार छुट्टी के बदले कोई धन के प्रयोजनार्थ उस माह के लिए देय संपूर्ण परिलब्धिया अनुमत्य होंगी, जिसके लिए छुट्टी-यात्रा रियायत दी गयी हो। परन्तु किसी अधिकारी को प्रधानमंत्री राहत निधि

में दान करने हेतु अपनी एक दिन की साधिकार छुट्टी के बदले धन लेने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते कि वह बैंक को इस आशय का पत्र दे, जिसमें उक्त राशि इस निधि में भेजने के लिए बैंक को प्राधिकृत किया गया हो।"

विनियम-5 में संशोधन

(i) 1-1-1985 को और इस तारीख से विनियम-5 (i) के अंत में निम्नलिखित परंतुक जोड़ा गया समझा जाये :—

"1-1-1985 को और इस तारीख से कनिष्ठप्रबंध ग्रेड स्केल-I और मध्यम प्रबंध ग्रेड स्केल-II और III के उन अधिकारियों को, जो अपने वेतनमान की उच्चतम सीमा पर पहुंच चुके हों, उनके स्केल की उच्चतम सीमा पर पहुंचने के बाद सेवा के प्रत्येक 5 वर्ष पूरे करने पर, अन्तिम वेतनवृद्धि के बराबर पदोन्नति अवरोध वेतनवृद्धि दी जायेगी, जो कनिष्ठ प्रबंध ग्रेड स्केल-I के अधिकारियों के लिए ऐसी दो वेतनवृद्धियां और मध्यम प्रबंध ग्रेड स्केल-II और III के अधिकारियों के लिए ऐसी एक वेतनवृद्धि से अधिक नहीं होगी।"

ऐसे अधिकारियों के मामले में, जिन्होंने अपने वेतनमान की उच्चतम सीमा पर 5 वर्ष से अधिक सेवा पूरी कर ली हो, ऐसी पहली पदोन्नति अवरोध वेतनवृद्धि देय तारीख से या 1 जनवरी 1985 से जो भी बाद में हो, दी जाएगी परंतु ऐसी दूसरी वेतनवृद्धि उन पात्र अधिकारियों को दी जाएगी, जो 1 जनवरी 1987 से पहले पात्र न बने हो।"

(ii) 1-2-1984 को और इस तारीख से विनियम-5 (2) के अंत में निम्नलिखित परंतुक जोड़ा गया समझा जाये :—

"परंतु 1-2-1984 को और इस तारीख से, जो अधिकारी अपने वेतनमान की उच्चतम सीमा पर पहुंच चुके हों, उन्हें वेतनमान की उच्चतम सीमा पर एक वर्ष पूरा करने के बाद सी०ए०आई०आई०बी० परीक्षा का भाग-1 उत्तीर्ण करने के लिए रु 100/- प्रतिमाह और वेतनमान की उच्चतम सीमा पर दो वर्ष पूरे करने के बाद सी०ए०आई०आई०बी० परीक्षा के दोनों भाग उत्तीर्ण करने के लिए रु 200/- प्रतिमाह की व्यावसायिक योग्यता-भत्ता दिया जाएगा।"

विनियम-22 में संशोधन

1-2-1984 को और इस तारीख से विनियम-22(2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित समझा जाये :—

"1-2-1984 को और इस तारीख से, जहां किसी अधिकारी को बैंक द्वारा आवासीय सुविधा नहीं दी गई हो, तो वह, जिस वेतनमान में उसे रखा गया है उस वेतनमान के पहले चरण में मूलवेतन के 10 प्रतिशत से अधिक राशि, जो उसके द्वारा आवाम हेतु प्रदत्त की गई हो, के बराबर

राशि का मकान-किराया-भत्ता पाने का हकदार होगा। यह राशि निम्नलिखित दरो के तहत दी जाएगी।—

जहाँ कार्य-स्थल निम्नलिखित में से एक हो	मकान-किराया भत्ता
I. सरकार के मार्गदर्शी निर्देशों के अनुसार मंडल द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किये गये (क) श्रेणी के शहर और समूह (क) के परि-योजनाक्षेत्र के केंद्र	मूलवेतन का 17½ प्रतिशत परंतु अधिकतम रु० 500/- प्रतिमाह
II. उपर्युक्त (I) में सम्मिलित न किये गये क्षेत्र I और समूह "ख" के परियोजना क्षेत्र के केंद्र	मूलवेतन का 15 प्रतिशत परंतु अधिकतम रु० 400 प्रतिमाह
III. क्षेत्र II और राज्य-राजधानियां और संघ राज्य, क्षेत्र की राजधानियां जो ऊपर (I) और (II) में शामिल नहीं हैं।	मूलवेतन का 12½ प्रतिशत परंतु अधिकतम रु० 300/- प्रतिमाह
IV. क्षेत्र-III	मूलवेतन का 10 प्रतिशत परंतु अधिकतम रु० 250/- प्रतिमाह

टिप्पणी — उपर्युक्तानुसार मकान-किराया-भत्ता, किराये की रसीदे प्रस्तुत करने पर दिया जाएगा। इसके अलावा अधिकारी प्रमाणपत्र के आधार पर भी उपर्युक्त दरो पर मकान-किराये का दावा कर सकता है, जो अधिकतम निम्नानुसार होगा।—

प्रमुख "क" श्रेणी के शहर एवं समूह "क" के परियोजना क्षेत्र के केंद्र	अधिकतम रु० 275/-
क्षेत्र-I के अन्य स्थल और समूह "ख" के परियोजना क्षेत्र के केंद्र	अधिकतम रु० 225/-
क्षेत्र-II और राज्य-राजधानियां एवं संघ राज्य क्षेत्रों की राजधानियां	अधिकतम रु० 165
क्षेत्र-III	रु० 110/- (निश्चित)

सं० 5003 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम-1980 (1980 का 40) की धारा-19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, न्यू बैंक आफ इंडिया के निदेशकमंडल, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके और केंद्र सरकार की पूर्वस्वीकृति से एतद् द्वारा न्यू बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी-कर्मचारी विनियम-1982 में निम्नलिखित और संशोधन करता है।

2. संक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ :—I यह विनियम न्यू बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी-कर्मचारी (संशोधन) विनियम-1982 कहे जाएंगे।

II. यह सरकारी गजाल में प्रकाशन की तारीख से लागू होगा।

विनियम 6 (3) में संशोधन।

6(2) "उपविनियम (1) के अंतर्गत पदों का वर्गीकरण करने के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित किये जाने वाले मानदण्डों के अनुसार, बैंक द्वारा बैंक की प्रत्येक शाखा को वर्गीकृत किया जाएगा जैसे छोटी, मध्यम, बड़ी, बहुत बड़ी अथवा अमाधारण रूप से बड़ी।"

विनियम-12 में संशोधन —

(क) विनियम-12(2) के प्रारंभ में "उपविनियम(3) में की गयी व्यवस्था को बनाये रखते हुए" शब्दों को जोड़ा जाये।

(ख) विनियम-12 (2) के बाद निम्नलिखित विनियम-12(3) जोड़ा जाये :—

"जिस अधिकारी ने उपविनियम-1 में उल्लिखित विकल्प का प्रयोग किया है और जो विनियम-2 के अनुरूप नियत तिथि से तत्काल पहले बैंक की सेवा में अपनी पात्रता के अनुसार वेतन प्राप्त कर रहा है, उसे इन विनियमों के तहत 1-2-1984 को और उन दिन से लागू वेतन और भत्ते पाने के लिए विकल्प देने की अनुमति दी जायेगी जैसा विकल्प का प्रयोग करने पर उक्त मिद्धातत. नियत तिथि का विनियम-8 में उल्लिखित पद्धति में नये वेतनमान में फिट किया जायेगा तथा वेतनवृद्धियां, जो उन्हें 31-1-1984 तक इन विनियमों के अनुसार मिल जातीं, देने के बाद उन्हें सरकार द्वारा जारी किये गये मार्गदर्शी निर्देशों के अनुसार 1-2-1984 को विनियम-4 (1) में नियत किये गये वेतनमान में फिट किया जायेगा।

वर्णन कि उपर्युक्तानुसार फिटमेंट किये जाने के बाद किसी अधिकारी को इन विनियमों के तहत देय वेतन और भत्तों का जोड़, इस फिटमेंट में पहले, 31-1-1985 को उनके देय वेतन और भत्तों के जोड़ से कम है, तो वह अंतर उन्हें वैयक्तिक भत्ते के रूप में दिया जायेगा, जो भावी वेतन-वृद्धियों में समाहित किया जाएगा, जो प्रत्येक वेतनवृद्धि के 33 1/3 प्रतिशत अथवा ऐसी वेतनवृद्धि के परिणामतः वेतन में हुई वृद्धि के 33 1/3 प्रतिशत जो भी कम हो, तक हो।

सं० 5004 बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम-1980 (1980 का 40) की धारा-19 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, न्यू बैंक ऑफ इंडिया के निदेशकमंडल, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करके और केंद्र सरकार की पूर्वस्वीकृति से एतद् द्वारा न्यू बैंक ऑफ इंडिया अधिकारी-कर्मचारी विनियम-1982 निम्नलिखित और संशोधन करता है।

2. सक्षिप्त नाम तथा प्रारंभ :—I. यह विनियम न्यू बैंक आफ इंडिया अधिकारी कर्मचारी (संशोधन) विनियम-1982 कहे जायेंगे।

II. यह सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

3. विनियम-20 में संशोधन

24-6-87 को और इस तारीख से विनियम-20 निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाये :—

“20 (1) विनियम-16 के उपविनियम (3) के अधीन रहते हुए, बैंक किसी अधिकारी की सेवाओं का पर्यवसान 3 मास की लिखित सूचना देकर या उसके बदले में उसे 3 मास की परिवर्धियों का संदाय करके कर सकेगा।”

“20(2) कोई अधिकारी बैंक की सेवाओं को छोड़ने अथवा पर्यवसान करने अथवा परित्याग करने की अपनी अवधारणा के संबंध में कोई पूर्वलिखित सूचना दिये बगैर न तो सेवा छोड़ेगा और न ही इसका पर्यवसान करेगा। इसके लिए नोटिस की अपेक्षित अवधि तीन माह होगी और यह नोटिस इन विनियमों में उल्लिखित सक्षम प्राधिकारी के पास प्रस्तुत किया जाएगा।

परन्तु सक्षम प्राधिकारी तीन माह की नोटिस अवधि में कटौती अथवा नोटिस देने की अपेक्षा का परिहार कर सकेगा।

20(3)(3)(क) उपविनियम-2 में अंतर्विष्ट विषय-वस्तु के विपरीत कोई भी व्यवस्था होने के बावजूद ऐसा अधिकारी जिसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाहिया लम्बित चल रही हैं, सक्षम प्राधिकारी की पूर्वलिखित अनुमति लिए बगैर बैंक की सेवा को छोड़ने/पर्यवसान करने अथवा त्याग पत्र नहीं दे सकेगा तथा ऐसे अधिकारी द्वारा अनुशासनात्मक कार्यवाहियों में पूर्व अथवा इसके दौरान दिये गये किसी त्यागपत्र के नोटिस का तब तक कोई प्रभाव नहीं रहेगा, जबतक कि इसे सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकार न कर लिया गया हो।

(ख) इस विनियम के प्रयोजनार्थ किसी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाहियों को तब तक लम्बित माना जाएगा, यदि उसे निम्नलिखित किया गया हो अथवा उसे इस आशय का कोई कारण बताओ नोटिस दिया गया हो कि क्यों न उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाये अथवा जहां उसके विरुद्ध कोई आरोपपत्र जारी किया गया हो इसे तब तक लम्बित माना जाएगा जब तक कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा अंतिम आदेश पारित नहीं कर दिये जाते।

(ग) दुर्व्यवहार के आरोप के अंतर्गत निलम्बित किये गये किसी कर्मचारी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति की तिथि पर पहुंच जाने पर न तो सेवानिवृत्त किया जायेगा अथवा

ऐसी कोई अनुमति दी जायेगी, किंतु जब तक कि आरोप के संबंध में जांच पूरी नहीं हो जाती, इस संबंध में अंतिम आदेश पारित नहीं कर दिये जाते तब तक उसे सेवा में बनाये रखा जाएगा।

विनियम-22(3)(II) में संशोधन

22-9-87 को और तारीख से विनियम-22(3)(II) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित समझा जाये—

“22(3) (II) 22-9-87 को और इस तारीख से भूमि की लागत सहित आवास की पूंजीगत लागत का 12 प्रतिशत और यदि आवास किसी भवन का एक हिस्सा है तो वातानुकूलित यंत्र जैसी जड़ नार को छोड़कर ऐसे आवास के निमित्त भूमि की पूंजीगत लागत का यथानुपातिक अंश।”

विनियम-41 (I) में संशोधन

“विनियम-41 (1) में, जहां-कहीं भी (2675/- रु०) और (3000/- रु०) शब्दों और अंकों में आये हों, उनके स्थान पर क्रमशः (2650/- रु०) तथा (2925/- रु०) शब्दों और अंकों में रखे जाएं।”

विनियम-41(4) में संशोधन

“दि० 1-1-1987 को और इस तारीख से, नीचे दी गयी सारिणी के कालम-1 में नियत ग्रेडो/स्केलो में कार्यरत अधिकारी, कालम-2 में दिये गये तदनुसूची दरों पर विराम भत्ता पाने के हकदार होंगे :—

सारिणी

कालम-1	कालम-2		
	दैनिक भत्ता (क) श्रेणी के बड़े शहर	(रुपये में)	क्षेत्र 1- अन्य स्थान
अधिकारियों के ग्रेड/ स्केल			
स्केल VI और VII	100.00	80.00	60.00
स्केल IV और V	100.00	80.00	60.00
स्केल II और III	70.00	60.00	50.00
स्केल-I	70.00	60.00	50.00

बशर्ते कि :—

(क) जहां अनुपस्थिति कुल 8 घंटे से कम हो, परन्तु 4 घंटे से अधिक हो वहां विरामभत्ता उपयुक्त दरों के आधे पर देय होगा।

(ख) विभिन्न ग्रेडो/स्केलो में अधिकारियों को भारतीय पर्यटन विकास निगम (आई०टी० डी०सी०) के होटलों में एक व्ययित के कक्ष के प्रभार तक होटल के वार्षिक खर्चे

की प्रतिपूर्ति की जायेगी, जो नीचे दी गयी सीमा के भीतर हो :—

दी इन्स्टीट्यूट आफ चार्टर्ड

एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया

नई दिल्ली-110002, दिनांक 30 मार्च 1988

शुद्धि-पत्र

अधिकारियों के ग्रेड/स्केल बॉन्डिंग प्रभार (रुपयों में)
टहरने की पात्रता

स्केल-VI और-VII	4 स्टार होटल
स्केल-IV और-V	3 स्टार होटल
स्केल-II और III	2 स्टार होटल (गैर-वातानुकूलित)
स्केल-I	1 स्टार होटल (गैर वातानुकूलित)

नं० 3-डब्ल्यू० सी० ए० (5)/21/87-88 :—निर्धारित सदस्यता शुल्क जमा न कराने के कारण नाम हटाने के लिए जारी की गई अधिसूचना नं० 3-डब्ल्यू० सी० ए० (4)/11/87/88 दिनांक 5-1-1988, जिसमें श्री राजेन्द्रा मेहता (सदस्यता संख्या 70973), देना बैंक, रीजनल ऑफिस, गोकुल चैम्बर्स, धेवरभाई रोड, राजकोट-360001, का नाम क्रमांक 197 पर लिखा गया था, अब हटाया हुआ माना जाय।

दिनांक 1 अप्रैल 1988

नं० 3-एन० सी० ए० (5)/1/88-89 :—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3-एन० सी० ए० (4)/3/86-87 दिनांक 27-2-1987 के सन्दर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 17 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्य का नाम पुनः उसके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है :—

"क" श्रेणी के प्रमुख शहर	क्षेत्र—1	अन्य स्थान
100.00	80.00	60.00
100.00	80.00	60.00
70.00	60.00	50.00
70.00	60.00	50.00

(ग) जहां विराम स्थल पर मुफ्त लीजिंग का प्रावधान हो, वहां विराम भत्ते का 3/4 अनुमत्य होगा।

(घ) जहां विराम स्थल पर मुफ्त बॉन्डिंग का प्रावधान हो, वहां विराम भत्ते का 1/2 अनुमत्य होगा।

(ङ) जहां विराम स्थल पर मुफ्त आवास (लीजिंग) और मुफ्त भोजन (बॉन्डिंग) का प्रावधान हो, वहां विराम भत्ते का 1/4 अनुमत्य होगा।

(च) मुख्य कार्यालय से बाहर निरीक्षण ड्यूटी पर रहने के लिए 10 रु० प्रतिदिन पूरक दैनिक भत्ता सभी निरीक्षणकर्त्ता अधिकारियों को देय होगा।

स्पष्टीकरण :—विराम भत्ते की गणना करने के लिए "प्रतिदिन" का अर्थ होगा—24 घण्टे की प्रत्येक अवधि और उसके बाद उसका कोई अंश, जो हवाई यात्रा के मामले में रिपोर्ट करने के समय में और अन्य मामलों में प्रस्थान (डिपार्चर) के समय से वापस पहुंचने के वास्तविक समय तक समझा जाएगा। जहां अनुपस्थिति की कुल अवधि 24 घण्टे से कम हो, वहां (प्रतिदिन) से तात्पर्य कम-से-कम 8 घण्टे की अवधि होगा।

ए० आर० लांबा
सह० मह० प्रव० (कार्मिक)

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1.	05595	श्री नानिक एन० बाधवानी, ए० सी० ए०, 72-बी, ब्लॉक बी/डब्ल्यू, डी० डी० ए० फ्लैट्स, शालीमार बाग, दिल्ली-110052।	1-4-88

आर० एल० चौपड़ा
मचिव

दी इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स

एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इंडिया

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1988

सं० 16 सी० डब्ल्यू० आर० (811-853)/88 :—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि दी इन्स्टीट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया के परिषद ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा 20 की उप-धारा (1) उप-वाक्स (सी) द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित व्यक्तियों के नामों

को शुल्क भुगतान न करने के कारण 31 मार्च 1988 से सदस्य पंजिका में हटा दिया :—

1. श्री वी० चक्रवर्ती, ए० आई० सी०, डब्ल्यू० ए० वी०, रेंजियर स्ट्रीट, प्लैट ए/2, टी० नगर मद्रास-600017 (एम०/105)
2. श्री वाई० नारायणा मूर्थी, बी० ए०, एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, "श्रीनिवास", 57, इमाक कालोनी, वेलिंग्टन रोड, सिकन्दराबाद-500015 (एम०/382)
3. श्री गोविन्द रामचन्द्र डोले, बी० एस० सी०, बी० काम०, ए० सी० एम० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, प्लैट-1, एफ बिल्डिंग, नवागीत सी० एच० एस०, एस० टी० एन पोनी रोड, चेम्बर बम्बई-400071 (एम०/481)
4. श्री जे० एस० कामेश्वर राव, बी० काम०, एफ० सी० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 1-1-582 गांधीनगर, न्यू बेकारम, हैदराबाद-500380 (एम०/489)
5. श्री मोहन लाल लाहिरी, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० वर्क्स एकाउन्टेन्ट हुगली डाकिंग एण्ड इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड, 6, हावड़ा रोड, हावड़ा-711101 (एम०/528)
6. श्री आर० एन० रतनम, बी० काम०, ए० सी० ए० एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, डिप्टी मैनेजिंग डाइरेक्टर, ई० आई० डी० पैरी (इंडिया) लि०, 234, एन० एस० सी० बोस रोड, मद्रास-600001 (एम०/545)
7. श्री आई० हरिश्चन्द्र राव, एम० ए०, एम० काम० एल० एल० बी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० 733, "साहूना" सेवेन्थ फ़्लास, III ब्लॉक, कोरामंगला लेमआउट बंगलौर-560034 (एम०/602)
8. श्री एम० वी० बी० एस० शर्मा, एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए० 4, उदयगिरी छेदानगर, चेम्बर बम्बई-400089 (एम०/645)
9. श्री मनोहर दामोदर कुलकर्णी, बी० ए०, एम० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, "कौमुदी" ग्राउन्ड फ्लोर, 189-ए० काडेल स्ट्रीट, शिवाजी पार्क, बम्बई-400028 (एम०/1096)।
10. श्री सनतकुमार दत्ता, एम० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, प्लैट डी०/82,58/3, बालीगंज सरकुलर रोड, कलकत्ता-700019 (एम०/1285)
11. श्री जे० सी० बंसल, बी० काम (आनर्स) एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, डिप्टी कन्ट्रोलर आफ फाइनेन्स एण्ड एक्काउन्ट्स, बोकारो स्टील प्लांट, मेन एडमिनिसट्रेशन बिल्डिंग, बोकारो स्टील सिटी-827001 (एम०/1447)
12. श्री आर० एस० मेगनेश्वरन, एम० ए० बी० काम० डी० आई० पी० एम०, ए०, आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 20, सी० फ़्लास, बी० ब्लॉक, कोरामंगला, बंगलौर-560034 (एम०/1953)
13. श्री ए० एस० आनन्द राव, बी० ए०, एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 6908, 15 एवेन्यू, इडमोन्टन एलबरटा, कनाडा, टी० 6 के० 3 टी० 9, (एम०/2039)
14. श्री एस० वी० रामनी, एम० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, नं० 2, 25 स्ट्रीट थिलाय गंगानगर, नंगानालूर, मद्रास-600061 (एम०/2097)
15. श्री योगेश्वर दत्ता सरदना, बी० काम० एल० एल० बी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए० बी०-2/175, सफदरजंग इनकलेव, न्यू दिल्ली-110029 (एम०/2102)
16. श्री वी० नारायणन, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, मैनेजर-कास्ट एकाउंटिंग, पार्क ट्रेवीस इंडिया लिमिटेड सकीनाका, बम्बई-400072 (एम०/2251)
17. श्री हरीराम गुप्ता, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, फाइनेन्स मैनेजर, प्रोजेक्ट्स एण्ड डेवेलोपमेन्ट इंडिया लिमिटेड, 96 सिद्धार्थ, नेहरू प्लेस, न्यू दिल्ली-110019 (एम०/2614)
18. श्री अजय कुमार चक्रवर्ती, एम० काम०, एल० एल० बी०, एफ० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, ई-140 ग्रेटर कैलाश-1, न्यू दिल्ली-110048 (एम०/2843)
19. श्री ओमप्रकाश केडिया, बी० काम०, एल० एल० बी० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 16 ए० एण्ड बी० मदन चंटरजी लेन, सेकेण्ड फ्लोर, कलकत्ता-700007 (एम०/3029)
20. श्री मोहम्मद शरीफ, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, इन्टरनल आडीटर, सिस्टम्स एण्ड आडीट डिपार्टमेन्ट, गलादेरी ब्रादर्श, पी० ओ० वाक्स 138, दुबई, यू० ए० ई० (एम०/3056)
21. श्री किशोरीलाल एम० ए०, बी० एल० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, फाइनेन्स मैनेजर, भरत कुकिंग कोल लिमिटेड, कोयला भवन, कोयलानगर, धनबाद 826001 (एम०/3186)
22. श्री ए० बी० राजगोपालन, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, पी० ओ० वाक्स 9139 केदुना, नाइजेरिया, वेस्ट अफ्रिका (एम०/3957)
23. श्री के० शिवकुमार, एम० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, नं० 2, 8 फ़्लास, न्यू कालोनी, क्रोमेपेट, मद्रास-600044 (एम०/3986)
24. श्री सन्निधानन्द मिश्रा, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, एसिस्टेंट फाइनेन्स मैनेजर, प्रोजेक्ट्स एण्ड डेवेलोपमेन्ट इंडिया लिमिटेड, सी० आई० एफ० टी० बिल्डिंग सिन्दरी-828122 (एम०/4320)
25. श्री के० पी० समपथ, बी० काम०, एल० एल० बी० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, सी०/ओ० एन० बी० रंगा, प्रतिभा, नं० 10, 10 मेन रोड, 4 ब्लॉक, जयनगर, बंगलौर-560011 (एम०/4352)

26. श्री के० एन० कृष्णन, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 17, मीराश्याम, गोखले रोड, मुलन्द वेस्ट, बम्बई-400080 (एम०/4387)
27. श्री ओमप्रकाश अग्रवाल, बी० काम० (आनर्स), ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, चीफ एक्काउन्ट्स आफिसर हरयाणा को-ऑपरेटिव सुगर मिल्स लिमिटेड, रोहतक-124001 (एम०/4411)
28. श्री केशवचन्द्र मजुन्दार, एम० काम०, एल०एल०बी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 3/11, विजयगढ़, कलकत्ता-700032 (एम०/4453)
29. श्री के० नारायणास्वामी, एम० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 32/36, वेस्ट पटेलनगर न्यू दिल्ली-110008 (एम०/4739)
30. श्री एस० ए० महादेवन, बी० ए०, एम० बी० ए०, ए० सी० एम० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, सी-001, यमुना एपार्टमेन्ट्स, अलाकनन्दा, न्यू दिल्ली-110019 (एम०/5075)
31. श्री ए० एम० नारायणन्, एम० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, डिप्टी सेक्रेटरी, नेशनल हेवी इंजिनियरिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, 16, एम० जी० रोड, पुना-411001 (एम०/5267)
32. श्री एस० बी० एस० वेसन, बी० काम०, ए० सी० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, चीफ एक्काउन्टेन्ट नेशनल कन्फ्रेट प्रोडक्ट्स, पी० ओ० बाक्स 158, दुबई, यू० ए० ई० (एम०/5739)
33. श्री जयरामा मन्जाया शेटी, एम० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 3-5/3 तलमाकिवेदी तारदेव रोड, बम्बई-4000071 (एम०/5985)
34. श्री एम० के० राव, बी० काम०, ए० सी० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, चीफ एक्काउन्टेन्ट स्टार-मसिनरी मैनुफैक्चरिंग कम्पनी लिमिटेड, 623/3, फेज 1, जी० आई०डी०सी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंकलेश्वर-393002 (एम०/6054)
35. श्री केवलकृष्ण कुमार, बी० ए० (काम०) ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, डिप्टी फाइनेंस मैनेजर, कोल इंडिया लिमिटेड, इलाहाबाद बैंक बिल्डिंग, न्यू ब्लाक, हजरतगंज लखनऊ-266001 (एम०/6140)
36. श्री सम्भूनाथ मिश्रा, बी० काम० (आनर्स) ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, एकाउन्ट्स आफिसर, एन० टी० बी० सी० लिमिटेड, फरक्का, नेवरन-742236 (एम०/6148)
37. श्री जी० गुरुमूर्ती, बी० काम०, ए० सी० ए०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, पी० ओ० बाक्स 1157, गेबोरीन, बोटम्बाना, साउथर्न अफ्रिका (एम०/6360)
38. श्री घनश्यामदत्तराया भिंग, एम० काम० एल० एल० बी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 996, गदाशिव पेथ, नियर ब्राह्मन कार्यालया, वेदाकर वादा, पुणे-411030 (एम०/6434)
39. श्री अनिल कुमार चौधरी, बी० काम० (आनर्स), ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, ए-56 लोकविहार, नियर वाटर टैंक, न्यू दिल्ली-110034 (एम०/6441)
40. श्री कुलभुशन कपूर, बी० काम० (आनर्स), एल० एल० बी०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 890/60, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, न्यू दिल्ली-110005 (एम०/6466)
41. श्री कुलमनी महाराणा, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, अकाउन्ट्स आफिसर इंडियन आयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नमकोन, रांची-834010 (एम०/6477)
42. श्री एच० रामकृष्णन, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, डी०-84, अमरकालोनी रघुनाथ मंदिर रोड, लापतनगर, न्यू दिल्ली-110024 (एम०/6499)
43. श्री राधाकृष्ण सारदा, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 4, हीन भीयू, सेक्टर 4, राउरकेला-769002 (एम०/6514)

दिनांक 12 अप्रैल 1988

सं० 11-सी०डब्ल्यू० आर० (110)/88—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के विनियम 11 के उप-विनियम (3) का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि श्री भी० एम० गनेश, बी० एस०सी०, ए०आई० सी०डब्ल्यू०ए०, 55-बी० एफ० ब्लाक, हरीनगर, न्यू दिल्ली-110064 (सदस्यता संख्या 6449) के अभ्यास करने का प्रमाण-पत्र उनकी निजी प्रार्थना पर 1 अप्रैल 1988 में लेकर 30 जून 1988 तक के लिए रद्द किया जाता है।

दिनांक 18 अप्रैल 1988

सं० 16 सी० डब्ल्यू० आर० (854-855)/88—दी कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स रेग्युलेशन 1959 के विनियम 16 का अनुसरण कर यह सूचित किया जाता है कि दी इन्स्टिट्यूट आफ कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया के परिषद् ने कास्ट एण्ड वर्क्स एकाउन्टेन्ट्स अधिनियम 1959 की धारा 20 की उप-धारा (1) द्वारा दिये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए—(1) श्री सी० सुब्बा राव, एम० ए० ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, 659/ बी० फिफ्थ मेन रोड, ब्यालीकवल, बंगलौर-560003 (सदस्यता संख्या एम०/1151) (2) श्री बलवन्द्रे शिवलाल मारेख, बी० काम०, ए० आई० सी० डब्ल्यू० ए०, एम०-401236, प्रगति-नगर, अहमदाबाद-380013 (सदस्यता संख्या एम०/2164)

के नामों को उनकी निजी प्रार्थना पर 1 अप्रैल, 1988 से सदस्य पंजीका से हटा दिया।

डी०मी० भट्टाचार्या,
मंचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक, 2 मई 1988

सं० एन-15/13/14/2/85-यो० एवं वि० (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के) साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-88 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा तमिल नाडू कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1954 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ तमिल नाडू राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में नामांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्

“जिला उत्तर आरकोट के तालुक वेनीग्रामबाडी में राजस्व ग्राम चीनावरीकाम, मेरीग्रामवरीकाम और बेनकटा-समुद्रम के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

सं० एन-15/13/1/11/86-यो० एवं वि० (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के) साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-88 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम, 1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमान्त व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्

“जिला गुंटूर के राजस्व मंडल से थेनापल्ली में सेथेनापल्ली नगर सीमा और कन्नकन्नालापल्ली गावों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

सं० एन-15/13/6/4/87-यो० एवं वि० (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के) साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-88 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा केरल कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1957 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ केरल राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमान्त व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

2-69GI/88

अर्थात्

“1. जिला अलेपी के तालुक शोरतालाई में राजस्व ग्राम थन्नीरमुक्कम उत्तर और कन्जीकूजही के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।

2. जिला पथनामथीता के तालुक थीरुवाला में राजस्व ग्राम कावूमभागम और थीरुवाला के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र, और।

3. जिला कोट्टायम के तालुक चेन्नानाचेरी में राजस्व ग्राम थीरकोडीयत्तम और मडापल्ली ग्रामों के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र।”

सं० एन-15/13/1/16/86-यो० वि० एवं (2) कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम 1950 के विनियम 95-क के) साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948(1948 का 34) की धारा 46(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 1-5-88 ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95-क तथा आन्ध्र प्रदेश कर्मचारी राज्य बीमा नियम 1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ आन्ध्र प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमान्त व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किये जायेंगे।

अर्थात्

“जिला मेडक में सदासिवापेट नगर पालिका की सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

भगवती प्रसाद,
संयुक्त बीमा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1988

सं० यू-16/53/82-चि०-2 (मध्यप्रदेश)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024(जा) दिनांक 23 मई, 1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा नागदा (म० प्र०) के डॉ० डी० आर० सोनार को दिनांक 20-10-87 से 31-12-88 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निदेशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर उपचिकित्सा आयुक्त (उत्तर-पश्चिमी जोन) द्वारा निर्धारित क्षेत्रों के लिए, बीमान्त व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

दिनांक 29 अप्रैल 1988

सं० यू०-16/53/86-चि०-2 (कर्नाटक) —कर्मचारी राज्य बीमा माधारण विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024 (जी) दिनांक 23 मई, 1983 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा बंगलौर के डॉ० टी० एस० आनन्ध को दिनांक 1-4-1988 से 31-3-1989 तक या किसी पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो मौजूदा मानकों के अनुसार मासिक पारिश्रमिक पर बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूं।

डॉ० के० एम० सक्सेना,
चिकित्सा आयुक्त

क्षेत्रीय कार्यालय

चण्डीगढ़, दिनांक 25 अप्रैल 1988

सं० 14-वी० 34/13/1/86-प्रशा०—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम 1950 के विनियम 10-ए) के अन्तर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए अध्यक्ष, क्षेत्रीय बोर्ड, हिमाचल प्रदेश ने परवाणू क्षेत्र (जहां कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 का अध्याय 4 व 5 पहले से ही लागू है) की स्थानीय समिति का गठन किया है। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे। यह समिति अधिसूचना जारी होने की तारीख से प्रभावी होगी।

अध्यक्ष

विनियम 10-ए (1) (ए) के अधीन

1. श्री रघु राज विधान सभा सदस्य

सदस्य

विनियम 10-ए (1) (बी) के अधीन

2. श्रम अधिकारी, सोलन

विनियम 10-ए (1) (सी) के अधीन

3. प्रभारी चिकित्सा अधिकारी कर्मचारी राज्य बीमा औपधान्य, परवाणू।

विनियम 10-ए (1) (डी) के अधीन

4. श्री वी० एस० अब्बु, प्रबन्ध निदेशक
मैसर्स कमला आयलज, डीवाईमिज
सेक्टर-3, परवाणू।

5. श्री एच०के०एल० सहगल, महा प्रबन्धक
मैसर्स आईसर ट्रेक्टरज लिमिटेड,
सेक्टर-2, परवाणू।

6. श्री के० एन० रतन, महाप्रबन्धक
मैसर्स गेवरीयल इंडिया लिमिटेड
सेक्टर 2, परवाणू।

7. श्री लच्छी राम, उप महाप्रबन्धक
मैसर्स खन्ना वाचि। लिमिटेड,
परवाणू।

विनियम 10-ए (1) (ई) के अधीन

8. श्री पुरषोत्तम लाल,
आई०एन०टी०यू०सी० पदाधिकारी मार्फत
मैसर्स प्यूरिलेटरज, इंडिया लिमिटेड,
सेक्टर-1, परवाणू।

9. श्री दीवान चण्ण, आई०एम०टी०यू०सी०
पदाधिकारी मार्फत,
मैसर्स खन्ना वाचि। लिमिटेड, परवाणू।

10. श्री ओम दत्त शर्मा, सी०आई०टी०यू०
पदाधिकारी मार्फत,
मैसर्स कंन्नीट पोल एंड पेपर कंसरन
यूनिट, सेक्टर-2, परवाणू।

11. श्री दलजीत सिंह
सी०आई०टी०यू० पदाधिकारी मार्फत
मैसर्स आईसर ट्रेक्टरज लिमिटेड,
सेक्टर-2, परवाणू।

विनियम/10-ए (1) (एफ) के अधीन

12. प्रबन्धक, स्थानीय कार्यालय,
कर्मचारी राज्य बीमा निगम, सदस्य-सचिव
परवाणू।

अज्ञा मे

एस० एस० अबरोल,
क्षेत्रीय निदेशक

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, नई दिल्ली

भारत के राजपत्र, भाग-III खण्ड-4, दिनांक 12 सितम्बर, 1987 (पृष्ठ सं० 3119 से 3158) में अधिसूचना संख्या 10/87 दिनांक 5 जून, 1987 के अधीन प्रकाशित भारतीय औद्योगिक वित्त निगम कर्मचारिवृन्द विनियम, 1974 के हिन्दी पाठ का शुद्धीकरण

पृष्ठ सं०	कालम सं०	विनियम सं०	अशुद्ध	शुद्ध
3121	1	3[3(द) पहले]	(थ)	(धथ)
3121	1	3(ध)	(iii)	(न)
3121	1	3[3(ध) के बाद]	(त)	(प)
3123	1	18 के ऊपर	खण्ड-I-परिवीक्षा	खण्ड-II-परिवीक्षा
3123	2	19-तीसरी पंक्ति	यथानिर्धारित	यथा बढ़ाई गई
3124	2	27(1) अन्तिम पंक्ति	बंचित	सूचित
3125	1	27(4)	आय	अन्य
		चौथी पंक्ति		
3125	2	27(5) (क)	(एक महीने का नोटिस अथवा उसके बदले में एक महीने का वेतन देकर)	विलोपित समझे जाएं ।
3125	2	28	78	28
3126	1	31	36	31
		32	37	32
3127	2	35	निगम उस व्यक्ति	निगम या उस व्यक्ति
		दूसरी पंक्ति		
3130	1	45(4) छठी पंक्ति	यदि या उस के परिवार	यदि वह या उसके परिवार
3130	2	46(2) स्पष्टीकरण पाचवी पंक्ति	कोई भी अधिक लाभ	कोई भी आर्थिक लाभ
3131	1	46क(ii) पहली पंक्ति	न ही दुल्हन दूल्हे के माता-पिता	न ही दुल्हन अथवा दूल्हे के माता-पिता
3131	1	47 अन्तिम पंक्ति	सम्बन्ध	सम्बद्ध
3131	2	47(6) पहली पंक्ति	किसी ऐसे पद अथवा	किसी ऐसे पद अथवा
3131	2	49(1) स्पष्टीकरण चौथी पंक्ति	एजेंसी आदि के कार्य	एजेंसी, कमीशन एजेंसी आदि के कार्य
3132	1	51(1) परन्तुक	प्राधिकारी की पूर्व मंजूरी यदि	प्राधिकारी की पूर्व मंजूरी लेगा यदि
3132	2	51(3) तीसरी पंक्ति	तथा निर्धारित	यथा निर्धारित
3133	2	55(ख) चौथी पंक्ति	एसे या पेय औषधि	एसे पेय या औषधि
3134	1	56 टिप्पणी छठी पंक्ति	श्रेणी I तथा II	श्रेणी-I II तथा IV
3134	2	59	(2)	(1)
3134	2	60(2) छठी पंक्ति	विनियम 561	विनियम 61
3135	2	60क(21) टिप्पणी	दृष्टांत	दृष्टांत
3136	1	61 स्पष्टीकरण (vi) (च)	अध्याय-11	अध्याय-II
3137	1	62क(8) पाचवी पंक्ति	30 (तीस) दिन से अधिक	30 (तीस) दिन से अनधिक
3139	2	62(च) (3) तीसरी पंक्ति	अपील प्रस्तुत कर सकता है	अपील प्रस्तुत करता है
3139	2	63 चौथी पंक्ति	उन सबसे विरुद्ध	उन सबके विरुद्ध
3140	1	64(क) (5) के नीचे	(परन्तु फिर भी..... तक बढ़ाया जा सकता है।) का पाठ उप विनियम (ख) (i) के बाद पढ़ा जाए।	
3140	1	64(ख) (1)	(ख) (i)	(ख) (1)
3143	2	82 शीर्षक	वेतन कवेर भत्तो	वेतन और भत्तो
3145	1	88(1) ()	(1)	()
3145	1	88(3)	(8)	(3)
3145	1	88(3) चौथी पंक्ति	उप विनियम (6)	उप विनियम (1)
3145	2	97 पहली पंक्ति	विनियम 90 और 96	विनियम 95 और 96
	2	102(2) दूसरी पंक्ति	उप विनियम (6)	उप विनियम (1)

पृष्ठ सं०	कालम सं०	विनियम सं०	अशुद्ध	शुद्ध
3148	1	107 पहली पंक्ति	छुट्टी अर्जता	छुट्टी अर्जित
3148	1	108 पहली पंक्ति	कर्मचारी से प्रदान	कर्मचारी उसे प्रदान
3148	1	108 पाचवीं पंक्ति	अनुमति दी जाए	अनुमति न दी जाए
3150	2	119(2) दूसरी पंक्ति	श्रेणी	श्रेणी-I
3151	2	125 (IV) अन्तिम पंक्ति	कर्मचारी को और सेवा क-न	कर्मचारी को और सेवा करने के लिए
3153	2	130(1) परन्तुक तीसरी पंक्ति अन्तिम शब्द	और साथ-	अक्षम करने और साथ-साथ निगम
3153	2	130(1) स्पष्टीकरण	जतन और भत्ते	वेतन और भत्ते
3153	2	130(2) परन्तुक तीसरी पंक्ति	स्वीकार्य छुट्टी की	स्वीकार्य औसत अर्द्ध-वेतन पर छुट्टी
3155	1	132(1) तीसरी पंक्ति	या नियुक्त	या नियुक्ति
3155	2	133 (4) पाचवी पंक्ति	जिस की तरीके	जिस भी तरीके
3158	2	परिशिष्ट-भत्ते	(VI)	(2)

एम० एल० कपूर,
उप महाप्रबन्धक (प्रशा० व कार्मिक)

STATE BANK OF INDIA
DELHI REGIONAL OFFICE

New Delhi-110001, the 27th April 1988

No. DRO/DGM/SECT/88/457.—1. Shri R. Kakker, Officer SMGS-V, has taken over as Branch Manager, South Extn. Part-I (New Delhi) Branch on 27-1-1988.

2. Shri P. Chandrasekharan, Officer SMGS-IV, has taken over as Manager (C&I), South Extn. Part-I (New Delhi) Branch on 21-7-1987.

3. Shri H. R. Batra, Officer SMGS-V, has taken over as Branch Manager, Nehru Place (New Delhi) branch on 16-1-1988.

4. Shri K. L. Grover, Officer MMGS-II, has taken over as Manager (P), Nehru Place (New Delhi) branch on 2-3-1987.

H. V. RANGASWAMI,
Dy General Manager.

ALLAHABAD BANK
HEAD OFFICE

Calcutta-700001, the 25th April 1988

No. Legal/1/88-GSR.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Allahabad Bank in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Allahabad Bank Officer Employees' (Conduct) Regulations, 1976.

2. Short title and Commencement: (1) This regulation may be called the Allahabad Bank Officer Employees' (Conduct) (Amendment) Regulations, 1988 (2) It shall come

into force on the date of its publication in the Official Gazette.

3. On and from 3-9 1987, in Regulation 20 Sub-Regulation (4) of Allahabad Bank Officer Employees' (Conduct) Regulations, 1976, for the abbreviation and figures "Rs. 2500/-" appearing therein shall be substituted by the abbreviation and figures "Rs. 5000/-".

M. R. SARBADHIKARI,
Asstt. General Manager (Law)

NEW BANK OF INDIA
(PERSONNEL DEPARTMENT)

HEAD OFFICE

New Delhi-110001, the 27th April 1988

No. 5002.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of New Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend New Bank of India Officer Service Regulations, 1982.

2. Short title and commencement:—(i) These Regulations may be called New Bank of India Officer Service (Amendment) Regulations, 1982.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. Amendment to Regulation 23

On and from 1-1-1987, Regulation 23(iv) shall be substituted by the following:—

"23(iv) On and from 1-1-1987, if an officer is transferred from one place to another in the midst of an academic year and if he has one or more children studying in school or college, in the former place, a

mid-academic year transfer allowance of Rs. 150/- p.m. from the date he reports to the latter place upto the end of the academic year in respect of all the children, provided that such allowance shall cease if all the children cease studying at the former place."

On and from 1-1-1985 Regulation 23(vi) shall be substituted by the following :—

- 23 (vi) On and from 1-1-1985, if he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an officiating allowance equal to 10% of his pay, subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purposes of Provident Fund and not for other purposes. Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be eligible for the officiating allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation takes effect."

On and from 1-1-1985, Regulation 23(x) shall be substituted by the following :—

- 23(x) On and from 1-1-1985, if he is serving in a place mentioned in column I of the Table below, a Hill and Fuel Allowance at the rate mentioned in Column 2 thereof against that place :—

TABLE

Places	Rates
Offices at altitudes of and over 500 metres above Mean Sea level	10% of pay subject to a maximum of Rs. 130/-per month.
Offices at altitudes of and over 1000 metres but below 1500 metres above Mean Sea level	8% of pay subject to a maximum of Rs. 100/-per month.

Amendment to Regulation 24

On and from 1-1-1987, in Regulation 24(1)(b), the following clause shall be added as Clause (v) after Clause (iv) :—

- 4(1)(b)(v) On and from 1-1-87, medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 75% in the case of an officer and 50% in the case of his family members :—

Cancer, Tuberculosis, Paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small Pox, Pleuresy, Diphtheria, Leprosy, Kidney Ailment."

Amendment to Regulation 42

On and from 1-1-1987, Regulation 42(2)(ii) shall be substituted by the following :—

- 42(2)(ii) On and from 1-1-1987, if an officer eligible for full wagon avails of the facility of 'Container Service' by railways, he will be reimbursed actual charges for one container if he is in Junior or Middle Management Grade and for two containers if he is in Senior or Top Management Grade. If the baggage is transported by road between places connected by rail, the reimbursement will be limited to the actual freight charges against submission of bills subject to the cost not exceeding the cost of transport of the minimum permissible quantity by goods train. If there is no railway station or railway out-agency at the old or new place of posting, the officer will be paid the actual cost of transporting the baggage by road up to the nearest railway station or

railway out-agency. If both the places do not have railway station/out-agency, the officer will be paid actual cost of transporting the baggage by road upto the stipulated weights by an approved transport operator."

On and from 1-1-1987, Regulation 42(3) shall be substituted by the following :—

- 42(3). On and from 1-1-1987, an officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage, etc.

Grade	Lumpsum
Top Management and Senior Management	Rs. 1500/-
Middle Management and Junior Management	Rs. 1000/-

Amendment to Regulation 44

On and from 1-1-1987, Regulation 44(ii), shall be substituted by the following :—

- 44(ii) On and from 1-1-1987, once in every four years, when an officer avails of Leave Travel Concession, he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the availment of the Leave Travel Concession commence shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional Privilege Leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund."

Amendment to Regulation 5

On and from 1-1-1985, at the end of Regulation 5(1), the following proviso shall be added :—

- "On and from 1-1-1985, provided that those officers in Junior Management Grade/Scale-I and Middle Management Grade/Scale-II and III who reach the maximum of their pay scale shall be granted stagnation increments equivalent to the last increment for every five completed years of service after reaching the maximum in the respective scales, subject to a maximum of two such increments for officers in Junior Management Grade/Scale-I and one such increment for officers in Middle Management Grade/Scale-II and III.

In case of those officers who have completed more than 5 years of service at the maximum of the respective scales the first such stagnation increment will be granted effective from the date on which it falls due or from 1st January, 1985, whichever is later, but the second such increment shall be granted to those eligible not earlier than 1st January, 1987."

On and from 1-2-1984, at the end of Regulation 5(2), the following proviso shall be added :—

- "On and from 1-2-1984, "provided that these officers who have reached the maximum of their pay scales professional qualification allowance of Rs. 100/- p.m. shall be granted for passing Part-I of CAIIB Examination after they complete one year at the maximum in the scale of pay and Rs. 200/- p.m. for passing both parts of CAIIB Examination after they complete two years at the maximum in the scale of pay."

Amendment of Regulation 22

On and from 1-2-1984, Regulation 22(2), shall be substituted by the following :—

"22(2) On and from 1-2-1984, where an officer is not provided with residential accommodation by the bank, he shall be eligible for house rent allowance being a sum equivalent to the excess of the actual rent paid by him for his residential accommodation over 10% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed, such sum being subject to the following rates :—

Where the place of posting is	House rent payable shall be
(i) Major 'A' class cities specified as such from time to time by the Board in accordance with the guidelines of the Government Project Area Centres in Group 'A'.	17 1/2% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 500/-p.m.
(ii) Areas not covered by item (i) above and Project Area Centres in Group 'A'.	15% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 400/-p.m.
(iii) Area II and State Capitals & capitals of Union Territories not covered by (i) & (ii) above.	12 1/2% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- P.M.
(iv) Area III	0% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 250/-p.m.

NOTE: House rent Allowance shall be paid on production of receipts, except that an officer may claim it on the basis of a certificate issued by the competent authority up to a maximum of Rs. 250/-p.m.

Major 'A' class cities specified as such from time to time by the Board in accordance with the guidelines of the Government Project Area Centres in Group 'A'	Maximum Rs. 500/-
Other places in Area I and Project Area Centres in Group 'B'	Maximum Rs. 225/-
Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories	Maximum Rs. 165/-
Area III	Rs. 110/- (excl.)

No. 5003.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of New Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend New Bank of India Officers Service Regulations, 1982.

2. Short title and commencement :—(1) These Regulations may be called New Bank of India Officers Service (Amendment) Regulations, 1982.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. *Amendment to Regulation 5(2)*

6(2) "For the purpose of categorisation of posts under sub-regulation (1) every branch of the bank shall be classified by the bank, in accordance with the criteria to be approved by the Government, as small, medium, large, very large or exceptionally large category."

Amendment to Regulation 12

- (a) At the beginning of Regulation of 12(2), add the words "Save as provided in Sub-Regulation (3)."
- (b) After Regulation 12(2), and the following Regulation 12(3) :—

"Any Officer who has exercised option referred to in sub-Regulation (i) and continues to draw pay and allowances according to his entitlement in the service of the bank immediately prior to the appointed date in terms of sub-regulation (2) shall be allowed to opt for pay and allowances as applicable under these regulations on and from 1-2-1984. On exercising such option, he will be fitted notionally on the appointed date into the new scale of pay in the manner referred to in Regulation 8 and after granting him the increments he would have received in terms of these regulations upto 31-1-1984 he shall be fitted in the scale of pay set out in Regulation 4(i) as on 1-2-1984 in accordance with the guidelines of Government issued thereunder.

Provided that if the aggregate of pay and allowances payable under these regulations to the officer after fitment as above is lower than the aggregate of pay and allowances that were payable to him as on 31-1-1984 before such fitment the difference shall be paid to him as a personal Allowance which shall be absorbed in the future increments to the extent of 33-1/3 per cent of each such increment or 33-1/3 per cent of the increase in the salary as a consequence of such increment, whichever is lower.

No. 5004.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), the Board of Directors of New Bank of India, in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend New Bank of India Officers Service Regulations, 1982.

2. Short Title and Commencement :—(i) These Regulations may be called New Bank of India Officers Service (Amendment) Regulations, 1982.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

3. *Amendment in to Regulation 20*

On and from 24-6-87

Regulation 20 may be substituted as under :—

"20(1) Subject to sub-regulations (3) of regulation 16, the Bank may terminate the services of any officer by giving him three months' notice in writing or by paying three months' emoluments in lieu thereof.

20(2) An officer shall not leave or discontinue his service in the Bank without first giving a notice in writing of his intention to leave or discontinue the service or resign. Their period of notice required shall be three months and shall be submitted to the Competent Authority as prescribed in these regulations.

Provided that the Competent Authority may reduce the period of three months or remit the requirement of notice.

20(3) 3(a) Notwithstanding anything to the contrary contained in the sub-regulation (2) an officer against whom disciplinary proceedings are pending shall not leave/discontinue or resign from his service in the Bank without the prior approval in writing of the Competent Authority and any notice of resignation given by such an officer before or during the disciplinary proceedings shall not take effect unless it is accepted by the Competent Authority.

(b) Disciplinary proceedings shall be deemed to be pending against any employee for the purpose of this regulation if he has been placed under suspension or any notice has been issued to him to show cause why disciplinary proceedings should not be instituted against him or where any charge sheet has been issued against him and will be deemed to be pending until final orders are passed by the Competent Authority

(c) An officer under suspension on a charge of misconduct shall not be retired or permitted to retire on his reaching the date of compulsory retirement, but shall be retained in service until the enquiry into the charge is concluded and a final order is passed thereon."

Amendment to Regulation 22(3) (ii)

On and from 6-10-86, Regulation 22(3) (ii) shall be substituted by the following :—

"22(3) (ii) On and from 6-10-86, 12% of the capital cost of the accommodation including the cost of land and if the accommodation is a part of a building, the proportionate share of the capital cost of land attributable to that accommodation excluding the cost of special fixtures, like air conditioners."

Amendment to Regulation 41(1)

"In Regulation 41(1), the words and figures Rs. 2675/- and "Rs. 3000/- wherever appearing therein may be substituted by the words and figures "Rs. 2650/-" and "Rs. 2925/-" respectively."

Amendment to Regulation 41(4)

"On and from 1-1-1987 an officer in the Grades/Scales set out in column 1 of the Table below shall be entitled to Halting Allowance at the corresponding rates set out in Column 2 thereof :—

Grades/Scale of Officers	Daily Allowance (Rupees)		
	Major 'a' Class cities	Area I	other places
Scales VI & VII	100.00	80.00	60.00
Scales IV & V	100.00	80.00	60.00
Scales II & III	70.00	60.00	50.00
Scales I	70.00	60.00	50.00

Provided that

- Where the total period of absence is less than 8 hours, but more than 4 hours, Halting Allowance at half the above rates shall be payable.
- Officers in various Grades/Scales may be reimbursed the actual hotel expenses restricting to single room accommodation charges in ITDC hotels, subject to the limits as given below :—

Grade/Scales of Officers	Eligibility to stay	Boarding Charges (Rs.)		
		Major 'A' Class cities	Area I	Other places
Scales VI & VII	4*Hotel	100.00	80.00	60.00
Scales VI & V	3*Hotel	100.00	80.00	60.00
Scales II & III	2*Hotel (Non AC)	70.00	60.00	50.00
Scales I	1*Hotel (Non AC)	70.00	60.00	50.00

- Where free lodging is provided at the place of halt, 3/4th of the Halting Allowance will be admissible.
- Where free boarding is provided at the place of halt, 1/2 of the Halting Allowance will be admissible.

(e) Where free lodging and free boarding are provided at the place of halt, 1/4th of the Halting Allowance will be admissible.

(f) A supplementary Diem Allowance of Rs. 10/- per day of halt outside headquarters on inspection duty may be paid to all inspecting officers.

Explanation

For the purpose of computing Halting Allowance 'per diem' shall mean each period of 24 hours or any subsequent part thereof reckoned from the reporting time for departure in the case of air travel and the scheduled time of departure in other cases, to the actual time of arrival. Where the total period of absence is less than 24 hours, 'per diem' shall mean a period of not less than 8 hours.

A. R. LAMBA
Assistant Gen. Manager
(Personnel)

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 30th March 1988

CORRIGENDUM

No. 3 WCA(5)/21/87-88.—In Notification No. 3 WCA(4)/11/87-88 dated 5-1-1988 removing the names of members on account of non-payment of the prescribed membership fees, the name of Shri Rajendra Mehta (M. No. 70973), Dena Bank, Regional office, Gokul Chambers, Dhebarbhui Road, Rajkot-360001, included at serial number 197, be treated as deleted.

The 1st April 1988

No. 3 NCA(5)/1/88-89.—With reference to this Institute's Notification No. 3 NCA(4)/3/86-87 dated 27-2-87 it is hereby notified in pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations 1964, that in exercise of the powers conferred by Regulation 17 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members, with effect from the date mentioned against his name, the name of the following gentleman :—

Sl. Member- No. ship No.	Name and Address	Date of Restoration
1. 05595	Shri Nandik N. Wadhvani,, ACA 72-B Block B/W DDA Flats Shalimar Bagh Delhi-110052.	01-04-1988

R. L. CHOPRA
Secretary

THE INSTITUTE OF COST AND WORKS ACCOUNTANTS OF INDIA

Calcutta, the 31st March 1988

No. 16-CWR(811-853)/88.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1)(c) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act, 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, on account of non-payment of fees, the names of the following Members with effect from 31st March, 1988:

- Shri V. Chakravarthy, AICWA, 8, Rangier Street, Flat A/2, T Nagar, Madras-600 017 (M/105).

2. Shri Y. Narayana Murthy, BA, FICWA, "Srinivas", 57, Ishaq Colony Wellington Road, Secunderabad-500 015. (M/382)
3. Shri Govind Ramchandra Dole, BSC, B.COM, ACMA, AICWA, Flat 1, 1 Building, Navagete CHS, St. Anthony Road, Chembur, Bombay-400 071. (M/481)
4. Shri J. S. Kameswara Rao, B.COM, FCA, AICWA, 11-582, Gandhinagar, New Bakaram, Hyderabad-500 380. (M/489)
5. Shri Mohan Lal Lahiry, B.COM, AICWA, Works Accountant, Hooghly Docking & Engineering Co. Ltd., 6, Howrah Road Howrah 711 101. (M/528)
6. Shri R. N. Ratnam, B.COM, ACA, FICWA, Dy. Mg. Director, EID Parry (India) Ltd., 234, NSC Bose Road, Madras-600 001. (M/545)
7. Shri I. Harischandra Rao, MA, M.COM, LLB, AICWA, 733, "Sabana", 7th Cross, 3rd Block, Koramangala Layout, Bangalore-664034. (M/602)
8. Shri M. V. B. S. Sarma, FICWA, 1, Udaygiri Chheda Nagar, Chembur, Bombay-400 089. (M/645)
9. Shri Manohar Damodar Kulkarni, BA, M.COM, AICWA, "Kaunudi", Ground Floor, 189-A, Cadell Street, Shivaji Park, Bombay 400 028. (M/1096)
10. Shri Sanat Kumar Datta, M.COM, AICWA, Flat D/82, 58/3, Ballygunge, Circular Road, Calcutta-700 019. (M/1285)
11. Shri J. C. Bansal, B.COM (Hons), AICWA, Dy. Controller of Finance & Accounts, Bokaro Steel Plant, Main Admn. Bldg., Bokaro Steel City-827 01. (M/1447)
12. Shri R. S. Yegneswaran, MA, B.COM, DIPMA, AICWA, 20 'C' Cross, 'B' Block, Koramangala, Bangalore-560 034. (M/1953)
13. Shri A. S. Anand Rao, BA, FICWA, 6908, 15th Avenue, Edmonton Alberta, Canada, T6K 3T9. (M/2039)
14. Shri S. V. Ramani, MA, AICWA, No. 2, 25th Street, Thillaianganam, Vengaloor, Madras-600 061. (M/2097)
15. Shri Yogeshwar Datta Sardana, B.Com, LL.B., AICWA, B-2/175, Safderjunge Enclave, New Delhi-110 029. (M/2102)
16. Shri V. Narayanan, AICWA, Manager-Cost Accounting, Parke Davis India Ltd., Saki Naka, Bombay-400 072. (M/2251)
17. Shri Hari Ram Gupta, B.COM, AICWA, Finance Manager, Projects & Development India Ltd., 96, Sidharth, Nehru Place, New Delhi-110 019. (M/2614)
18. Shri Ajay Kumar Chakraborty, M.COM, LLB, FICWA, F-140 Greater Kailash-I, New Delhi-110 048. (M/2843)
19. Shri Om Prakash Kedia, B.COM, LLB, AICWA, 16A&B, Madan Chatterjee Lane, 2nd Floor, Calcutta-700 007. (M/3029)
20. Shri Mohammed Shariff, B.COM, AICWA, Internal Auditor, Systems & Audit Dept., Galadari Bros., P.O. Box 138, Dubai, U.A.E. (M/3056)
21. Shri Kishori Lal, MA, BL, AICWA, Finance Manager, Bharat Coking Coal Ltd., Koyla Bhavan, Koyla Nagar, Dhanbad-826 001. (M/3135)
22. Shri A. V. Rajagopalan, B.COM, ACA, AICWA, P.O. Box 9139, Kaduna, Nigeria, West Africa. (M/3957)
23. Shri K. Sivakumar, M.COM, AICWA, No. 2, 8th Cross, New Colony, Chromepet, Madras-600044. (M/3986)
24. Shri Sachchida Nani Mishra, B.COM, AICWA, Asst Finance Manager, Projects & Development India Ltd., CIFT Building, S'ndr 828 122. (M/4320)
25. Shri K. P. Srinath B.COM, LLB, AICWA, C/o Shri N. V. Ranga Pratibha, No. 10, 10th Main Road, 4th Block, Javanagar Bangalore-560 011 (M/4352)
26. Shri K. N. Krishnan, B.COM, AICWA, 17, Meera Shyam, Gokhale Road, Mulund West, Bombay-100 080 (M/4387)
27. Shri Om Prakash Aggarwal, B.COM (Hons), AICWA, Chief Accounts Officer, Haryana Cooperative Sugar Mills Ltd., Rohtak-124 001. (M/4411)
28. Shri Keshab Chandra Majumdar, M.COM, LLB, AICWA, 3/11, Bejoygarh, Calcutta-700 032. (M/4453)
29. Shri Shri K. Natayanasamy, M.COM, AICWA, 32/36 West Patel Nagar, New Delhi-110 008. (M/4739)
30. Shri S. A. Mahadevan, BA, MBA, ACMA, AICWA, C-001, Yamuna Apartments, Alaknanda, New Delhi-110 019. (M/5075)
31. Shri A. S. Narayanan, M.COM, AICWA, Deputy Secretary, National Heavy Engg. Corporation Ltd., 16, M. G. Road, Pune-411 001. (M/5267)
32. Shri S. V. S. Vasan, B.COM, ACA, AICWA, Chief Accountant, National Concrete Products, P.O. Box 158, Dubai, U.A.E. (M/5739)
33. Shri Jayarama Manjayya Shetty, M.COM, AICWA, 3-5/3, Talmakiwadi, Tardeo Road, Bombay-400 007. (M/5985)
34. Shri M. K. Rao, B.COM, ACA, AICWA, Chief Accountant, Star Machinery Mfg. Co. Ltd., 623/3, Phase I, GIDC Industrial Estate, Ankleshwar-393 002 (M/6054)
35. Shri Kewal Krishna Kumar, BA(COM), AICWA, Dy. Finance Manager, Coal India Ltd., Allahabad Bank Bldg., New Block, Bazratganj, Lucknow-226 001. (M/6140)
36. Shri Sambhu Nath Misra, B.COM (Hons), AICWA, Accounts Officer, NTPC Ltd., Farakka, Nabarun-742 236. (M/6148)
37. Shri G. Gurumoorthi, B.COM, ACA, AICWA, P.O. Box 1157, Gaborone, Botswana, Southern Africa. (M/6360)
38. Shri Ghanashyam Dattatraya Bhinge, M.COM, LLB, AICWA, 996, Sadashiv Peth, Near Brahman Karyalaya, Wadekar Wada, Pune-411 030. (M/6434)
39. Shri Anil Kumar Chaudhry, B.COM (HONS), AICWA, A-56, Lok Vihar, Near Water Tank, New Delhi-110 034. (M/6441)
40. Shri Kul Bhushan Kapoor, B.COM (HONS), LLB, AICWA, 8A/60, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-110 005. (M/6466)
41. Shri Kulamani Maharana, B.COM, AICWA, Accounts Officer, Indian Oil Corporation Ltd., Namkuan, Ranchi-834 010. (M/6477)
42. Shri H. Ramakrishnan, B.COM, AICWA, D-84, Amar Colony, Raghunath Mandir Road, Lajpatnagar, New Delhi-110 024. (M/6499)
43. Shri Radha Krishan Sarda, B.COM, AICWA, 4, Hill View, Sector 4, Rourkela-769 002. (M/6514)

The 12th April 1988

No. 11-CWR(110)/88.—In pursuance of sub regulation (3) of Regulation 11 of Cost and Works Accountants Regulations, 1959, it is hereby notified that the Certificate of Practice granted to Shri V M Ganesh, B.Sc. AICWA, 55-B, F Block, Hari Nagar, New Delhi-110 064 (Membership No. 6449) shall stand cancelled at his own request with effect from 1st April 1988 to 30th June 1988.

The 18th April 1988

No. 16-CWR(854-855)/88.—In pursuance of Regulation 16 of the Cost and Works Accountant Regulations, 1959, it is hereby notified that in exercise of powers conferred by sub-section (1) of Section 20 of the Cost and Works Accountants Act 1959, the Council of the Institute of Cost and Works Accountants of India has removed from the Register of Members, the names of (1) Shri C. Subba Rao, MA, AICWA, 659/B Vib Main Road, Yyalikaval Bangalore-

60 003 (Membership No M/151), (2) Shri Balvantray Shival Parekh BCOM AICWA, M-40/236, Pragatinagar, Ahmedabad 380 013 (Membership No M/2164), with effect from 1st April 1988 at their own request.

D C BHATTACHARYYA
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 2nd May 1988

No N-15/13/14/2/85-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-5-1988 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Tamil Nadu Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1954, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Tamil Nadu namely :—

"Areas comprising of revenue villages Chinavarikkam, periarikkam and venkata—samudram in vaniambadi Taluk in North Arcot District."

No N-15/13/1/11/86-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-5-1988 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely :—

"The area within the Municipal limits Sathenapally and also Kankanalapally village in Sathenapally revenue Mandal in Guntur District."

No N-15/13/6/4/87-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-5-1988 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Kerala Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1957, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Kerala namely :—

- (1) The areas within the Revenue villages of Thanneermukkam North and Kanjikkuzhi in Shorthallai Taluk of Alleppey District.
- (2) The areas within the revenue villages of Kavumbagam and Thiruvalla in Thiruvalla Taluk of Pathanamthitta District, and
- (3) The areas with the Revenue villages of Thrikodithanam and Madappally in Changanacherry Taluk of Kottayam District.

No N-15/13/1/16/86-P&D—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 1-5-1988 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Andhra Pradesh Employees' State Insurance (Medical Benefit) Rules, 1955, shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Andhra Pradesh namely :—

New Delhi, the 26th April 1988

No U 16/53/82-Med II(M.P.)—In pursuance of the resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23rd May, 1983, I hereby authorise Dr D. R. Sonar of Nagda (M.P.) to function as Medical Authority with effect from 20-10-1987 to 31-12-1988 or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier for Nagda Centre (areas to be allocated by the Dy Medical Commissioner (North-West Zone), Ahmedabad on payment of monthly remuneration in accordance with the existing norms for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

The 29th April 1988

No U-16/53/86-Med II(Kant) —In pursuance of the resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulations 1950 and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23rd May, 1983, I hereby authorise Dr. T S Ananth of Bangalore to function as Medical Authority, with effect from 1-4-1988 to 31-3-1989 or till such time a full time Medical Referee joins whichever is earlier, for Bangalore Centre, on payment of monthly remuneration in accordance with the existing norms for the purpose of medical examination of the insured person, and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificate is in doubt.

DR K M SAXENA,
Medical Commissioner

REGIONAL OFFICE CHANDIGARH

Chandigarh, the 25th April 1988

No 14 V 34 3/1/86-Adm—In exercise of the powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, The Chairman, Regional Board, Himachal Pradesh has constituted the Local Committee consisting of the following members, for the Parwanoo area (where chapter IV and V of the ESI Act, 1948 are already in force) with effect from the date of Notification.

CHAIRMAN

Under Regulation 10-A (1) (a)

1. Shri Raghuraj, M.L.A.

MEMBERS

Under Regulation 10-A (1) (b)

2. Labour Officer, Solan.

Under Regulation 10-A (1) (c)

3. Medical Officer Incharge,
ESI Dispensary,
Parwanoo.

Under Regulation 10-A (1) (d)

4. Shri V. S. Aboo,
Managing Director,
M/s Kamla Dials Devices,
Sector 3,
Parwanoo.
5. Shri HKL Sehgal,
General Manager,
M/s Eicher Tractors Ltd.,
Sector-2,
Parwanoo.

6. Shri K. N. Rattan,
General Manager,
Gabriel India Ltd.,
Sector-2,
Parwanoo.

7. Shri Lachhi Ram,
Dy. General Manager,
M/s Khanna Watches Ltd.,
Parwanoo.

Under Regulation 10-A (1) (e)

8. Shri Purshotam Lal, Office Bearer of
INTUC C/o M/s Purolator India Ltd.,
Sector-1,
Parwanoo.

9. Shri Dewan Chand, Office Bearer of
INTUC C/o M/S Khanna Watches Ltd.,
Parwanoo.

10. Shri Om Dutt Sharma,
Office Bearer of CITU C/o M/S Concrete
Poles and Paper Concern Unit,
Sector-2,
Parwanoo.

11. Shri Daljeet Singh Office Bearer CITU
C/o M/S Eicher Tractor Ltd.,
Sector-2,
Parwanoo.

Under Regulation 10-A (1) (f)

Member-Secretary

The Manager,
Local Office,
E.S.I. Corporation,
Parwanoo.

By Order,
S. S. ABROL,
Regional Director

**INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA, NEW DELHI
ERRATA**

Errata to Notification No. 10/87 dated the 5th June, 1987 Published in Gazette of India Part-III section 4 dated the 12th September, 1987

Page No. in the Gazette	Column	Reference	For	Read
3163	1	Line-1	Advice from	Advice received from
3163	1	Heading	INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA	INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA, NEW DELHI
3164	1	Reg. 3 (a) Heading	Regulation after amendment	(To be deleted)
3165	2	Reg. 23. Heading	Lieu when -	Lien when
3166	1	Reg. 25. Line-6	Preparatory to	preparatory to
	1	Reg. 26. Line-5	or paying	or by paying
	1	Reg. 27 (1) line-1	discontinue	discontinue
	1	Reg. 27 (1) line-7	of provisions	of the provisions
	2	Reg. 27 (5) (b) line-3	medcial authority	medical authority
	2	Reg. 29 (1) Line-3 Line-4	if any appointed on	if any appointed on
3167	1	Reg. 29 (2) line-2	on probation	on promotion
	1	Reg. 31 Heading line-3	Promation employee have	Promotion employee shall have
	1	Reg. 32 (4) line-2	Regulataion	Regulation
	1	Reg. 33 (2) line-5	approval	approval
	1	Reg. 33 (2) line-2 of Exp. I	renederd,	rendered
	2	Section-I	Conduct and Disciplines	Conduct and Discipline
3167	2	Reg. 35 (1) line-6	be place	be placed
3169	1	Reg. 45 Heading	dealilngs	dealings
	2	Reg. 45 (3) line-4	shal lalso	shall also
	2	Explanation (ii) to Reg.-45 (4) line-2	on hm	on him
3169	2	Reg. 46A. Heading	Giving	Giving
3170	1	Reg. 48 (4) line-5	Limit	limits
	1	Reg. -49 (1) line-5	Religions	Religious
	2	Reg. 49 (3) line-8	Co-operate	Co-operative
3171	2	Explanation to Reg. 55 line-3	means	meant
3172	1	Reg. 60 (3) line-4	convistion	conviction

Page No. in the Gazette	Column	Reference	For	Read
3173	2	Reg. 62 (A) (6) line-4	emuloyee	employee
3173	2	Reg. 62 (A) (7) line-5	quality to	quilty to
3173	2	Reg. 62 (a) (11) line-2	the	are
3174	1	Reg. 62 (A) (18) Last time	witness os	witnesses as
3174	2	Reg. 62 (B) (3) line-2	opin vent	opinion event
3175	1	Line-2		
3175	1	Reg. 64 (A) (2) Line-4	by order	by an order
3175	2	Line-3	vacation	vacation
3175	2	Line-12 & 13	class I and II categories, Class I and II categories	Class I and II categories
3175	2	Reg. 64 (B) (2)	Delete heading	Regulations after amendment
3175	2	Reg. 64 (B) (3) line-6	Delete-Full line & para (i) and (ii)	Fixation of pay on appointment on probation
3175	2	Reg. 64 (C) (1) (ii) line-1	probation	proportion
3176	1	Reg. 66 (b) last line	branch	breach
3176	1	Reg. 68 (1) line-3 line-5	consalidated Regulation 62 and	consolidated 63 any
3176	1	Reg. 69 (1) (C) line-		
3176	2	Reg 74 last line	appellate	appellate
3177	1	Regulation 80	should be numbered	Regulation 81
3177	2	Reg. 84 (ii)	be fixed which is	be fixed at the stage in the higher grade which is
3177	2	Reg. 84 A (1) line-2	Corpan	Corporation
		Reg. 84A (2) line-11	then	when
		Reg. 84 A (4) last line	Employees,	Remove (.) after employees
3178	2	first line	and or	and/or
	2	Reg. 88(4) line-1	Employee	employee
	2	Reg. 89 (1) line-1	The word 'providing' is not clear	after Regulation
3183	1	Reg. 127 (1) (i) line 4&5	Pro-ortionate	proportionate
		Reg. 127(1) (ii) line-2	twentl-two	twenty-two
	1	Reg. 128(3) line-5	Withut	without
3184	1	Reg. 132(2) line-13	holidays	holidays
	2	Reg. 134 Heading Reg. 134(a) line-3	off run in.	of remove (.)
3185	1	Reg. 140(2) Reg. 140(2) (b)	(d) the employer's contribution	(b) travelling allowances payable

M. L. KAPOOR
Dy General Manager(Admn. & Pers.)

UNIT TRUST OF INDIA BOMBAY

Bombay, the 20th April- 1988

UT/675/DPD(P&R)77/Vol.XI/87-88.—The provisions of the Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus and Growth-1988 formulated under section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 and approved in the Executive Committee meeting held on 12th February, 1988 are published here-below for information.

THE MONTHLY INCOME UNIT SCHEME WITH EXTRA BONUS AND GROWTH-(10)—1988

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Board

of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme.

1. Short Title and Commencement :

1. This Scheme shall be called the Monthly Income Unit Scheme with Extra Bonus and Growth (10) 1988.
2. It shall come into force on the 1st day of April 1988.
3. Units will be on sale only during the months of April and May 1988.

Provided, that the Chairman or Executive Trustee may suspend or extend the sale of units under the scheme at any time after the commencement of the

scheme by giving a week's notice in such newspapers as may be decided. Provided further that such of the unitholders of the Monthly Income Unit Scheme (1) of 1983 and the Growth & Income Unit Scheme 1983 who have opted to transmit their investments into this Scheme shall be deemed to have acquired the units on 1st July, 1988.

II. Definitions :

In this Scheme, unless the context otherwise requires—

- (a) The "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;
- (b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units by the Trust means the day on which the Trust, after being satisfied that such application is in order, accepts the same;
- (c) "Applicant" means an applicant under the Scheme and shall include the alternate applicant mentioned in the application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped person.
- (d) "Body Corporate" means a body corporate as defined under the Companies Act 1956.
- (e) "Company" means a company defined under the Companies Act, 1956.
- (f) "eligible institution" means an institution as defined under the Unit Trust of India General Regulations 1964 and includes Private Trusts created by an instrument in writing and being irrevocable for the benefit of children or a Charitable or Religious Trust or endowment which is administered, controlled or supervised by or under the provisions of a Central or State enactment which is for the time being in force.
- (g) "Mentally handicapped person" means :
any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life and is so certified by any Registered Medical Practitioner.
- (h) "number of units deemed to be in issue" means the aggregate of the member of units sold and remaining outstanding.
- (i) "person" shall include an eligible institution as defined above.
- (j) "recognised stock exchange" means a stock exchange, which is, for the time being recognised under the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956).
- (k) "regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act.
- (l) "Society" means a society registered under the Societies Registration Act of 1860 or any other Society established under any State or Central law for the time being in force.
- (m) "unit" means one undivided share of the face value of Rupees ten in the unit capital.
- (n) "unitholder" used as an expression under the Scheme shall mean and include the applicant and also any unitholder who has exercised an option to convert units held under the Monthly Income Unit Scheme (1)-83 or Growth and Income Unit Scheme 1983.
- (o) all other expressions not defined herein but defined in the Act shall have the respective meanings assigned to them by the Act.

III. Face Value of each unit :

The face value of each unit shall be ten rupees.

IV. Application for unit :

- (1) Applications for units may be made by residents only viz.
 - (a) individuals either singly or with another individual on joint/either or survivor basis.
 - (b) a parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a minor. An application cannot be made by an adult and minor jointly.
 - (c) an eligible institution as defined under the Scheme; including a private Trust formed for the benefit of minor children being however irrevocable.
 - (d) an individual for the benefits of another individual who is a mentally handicapped person.
 - (e) a body corporate or company as defined under the Scheme.
 - (f) a society as defined under the scheme.
- (2) Application shall be made in such form as may be approved by the Chairman of the Trust.
- (3) Application shall be made for a minimum of 100 units and in multiples of 10 thereafter.
- (4) (i) The payment for the units applied for by an applicant shall be made by him alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheques or drafts should be drawn on branches of banks within the city where the office at which the application is tendered is situated.
 - (ii) If the payment is made by cheque, the acceptance date will, subject to such cheque being realised, be the date on which the cheque is received by the Trust or by a designated branch of authorised bank. If payment is made by draft the acceptance date will, subject to such draft being realised, be the date of issue of such draft, provided, the application is received by the Trust or a designated branch of authorised bank within such time as may be deemed reasonable by the Trust. If the amount tendered by way of payment for the units applied for is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the scheme the balance due to him shall be refunded at his cost in such manner as the Trust may deem fit.
 - (iii) A unit certificate will be sent by registered post/recorded delivery with or without acknowledgement in the address given by the applicant, the Trust will not incur any liability for loss, damage, misdelivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.
 - (iv) A unit certificate issued by the Trust to the eligible institution shall be made out in the name of the eligible institution.

V. Right of Trust to accept or reject application :

The Trust shall have the right at its sole discretion to accept and/or reject application for issue of units under the scheme. Any decision of the Trust about the eligibility or otherwise of a person to make an application under the scheme shall be final.

VI. Applicant bound to comply with requirements under the scheme before being issued units :

Persons applying for units under the scheme shall be bound to satisfy the Trust about their eligibility to make an application and comply with all requirements of the Trust. The compliance or otherwise to the satisfaction of the Trust of such requirements shall be at the sole discretion of the Trust.

VII. A person who holds units under a false declaration shall be liable to have the unit certificate cancelled and the name deleted from the register of unitholders. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units

at par and recover the Income Distribution wrongly paid from out of the repurchase proceeds and return the balance. The amount shall not carry any interest irrespective of the period it takes the Trust to effect the repurchase and to remit the repurchase proceeds to the applicant.

V. Sale of Units :

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date on such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, issue to the applicant unit certificate/s representing the units held by him.

VI. Repurchase of units :

(1) The Trust shall not repurchase units before 1st July, 1991.

(2) The Trust shall during the currency of the Scheme and on or after 1st July, 1991 repurchase at par on receipt by it of the unit certificate/s with the form on the reverse thereof duly filled in provided all the units comprised in the certificate/s are tendered for repurchase. No partial repurchase of units represented by the unit certificate/s shall be permitted. The unitholder while making an application for repurchase shall be bound to surrender all the unpaid Income Distribution Warrants remaining outstanding upto and inclusive of the month of repurchase to the Trust. The Trust shall not on accepting the unit certificate for repurchase, be bound to pay any Income Distribution on the units for the future months nor shall any interest be payable on the repurchase proceeds. The certificate and the unpaid Income Distribution Warrants if any, received shall be retained by the Trust for cancellation.

(3) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clause the Trust shall be at liberty while repurchasing the units, in the event of failure of the unitholder to surrender the Income Distribution Warrants which are then outstanding to deduct from the repurchase price such amount representing the amount of the Income Distribution Warrant payable in future as have not been surrendered and pay the balance to the unitholder. On the acceptance of the unit certificate/s by the Trust, the unitholders' right to receive future Income Distribution including the Income Distribution for the month of acceptance will cease and the Trust shall have a claim on the amount/s represented by such outstanding Income Distribution.

(4) A unitholder to be entitled to a full year's Income Distribution paid out on a monthly basis should have held the unit for a full year. A unitholder who holds the units for a part of the year shall be entitled to receive proportionate Income Distribution for the period of holding which shall always be full English Calendar months of holding, part of a month of whatever length being always ignored.

(5) In the event of the death of the unitholder and on surrender to the Trust by the legal representative or nominee of the relative unit certificate and the unpaid Income Distribution Warrants outstanding to the deceased unitholder, the Trust shall on compliance with the formalities in connection with the recognition of claim, repurchase the units at par and pay the outstanding proportionate monthly income distribution upto the date of the settlement of the claim or upto a period of 6 months from the date of death of the member, whichever is earlier and such payment shall be made for periods of whole months.

(6) Payment for units repurchased by the Trust after the deductions, if any, shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in the application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant and the cost of remittance (including postage) or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

VII Restrictions on repurchase of units :

Notwithstanding anything contained in any provision of the scheme, the Trust shall not be under an obligation to repurchase units—

- (i) on such days as are not working days; and

- (ii) during the period when the register of unit holders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts.

Explanation :

For the purposes of this scheme the term "working day" shall mean a day which has not been either (i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra or such other States where the Trust has its offices; or (ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the office of the Trust will be closed.

VIII. Sale and Repurchase Prices :

(1) The sale and repurchase prices of units during the period when units are sold and repurchased shall be at par.

(2) In the event of a termination of the Scheme in the manner as specified in Clause XXVI hereof the Trust shall determine the repurchase price by valuing the assets pertaining to the scheme as at the close of business on the date notified for termination reduced by the liabilities pertaining to the scheme and dividing them by the number of units outstanding and deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover brokerage commission, taxes, if any, stamp duties and other charges in relation to realisation of investments by the Trust and other adjustments and the expenditure in connection with the closure and payment of the distribution to the unitholders of the assets in respect of the scheme. In such an event the repurchase price shall in addition to the par value bear the other distributable component of the asset per unit arrived at by the Trust in a manner satisfactory to its auditors and as the Board may approve.

IX. Publication of final repurchase price :

- (a) Upon termination of the scheme in the manner provided in Clause XXVI hereof the Trust shall as early as possible after determining the final repurchase price publish it in such manner as it may deem fit.
- (b) The final repurchase price at which the units will be repurchased will be at a premium of minimum of Rs. 2/- per unit of the face value of Rs. 10/-.

X. Valuation of assets pertaining to this Scheme

(1) For the purpose of valuation of the assets under sub-clause (2) of Clause VIII the assets shall be classified into : (a) cash (b) investments and (c) other assets.

(2) Investments shall be valued by taking :

A. (a) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this scheme; provided where security is quoted on more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust.

(b) where any investment was not, during the relevant period, dealt in, or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be the fair value of such investment; and

B. Adding thereto—

- (a) in the case of interest earning Deposits, interest accrued but not received;
- (b) in the case of Government Securities and debentures, interest accrued but not received; and
- (c) in the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend and dividend declared but not received.

(3) Other assets shall be valued at their book value.

XI. Form of unit certificate :

Unit Certificates shall be in Form A annexed hereto. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the name of the unitholder.

XII. Manner preparation of unit certificate :

The unit certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board of Trustees may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every such signature may either be autographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit certificates so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificate on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The unit certificate so issued shall also be valid.

XIII. Trusts not to be recognized regarding unit certificates .

- (1) The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognized by the Trust as the unitholder and as having any right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents, and the Trust may recognize such unitholder as absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take any notice of the execution of any trust or, save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction ordered, to recognize any Trust or equity or other interest affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented
- (2) When an application is made by an individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal, for all purposes, under the Scheme with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death

XIV Subject to the provisions of this scheme, every unit holder shall be entitled to exchange any or all of his unit certificates for one or more unit certificates of such denominations as he may require, representing the same aggregate No. of units. While applying for such exchange the unitholder shall surrender to the Trust, the unit certificate or certificates to be exchanged and shall pay to the Trust money (if any payable thereunder) in respect of the issue of the new unit certificate or certificates

XV Exchange of unit certificate and procedure when certificate is mutilated, defaced lost etc

- (1) Subject to the provisions of this scheme, in case any unit certificate shall be mutilated or worn out or defaced, the Trust in its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn out or defaced unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, in its discretion, issue to the person entitled a new unit certificate in lieu thereof. No such new unit certificate shall be issued unless the applicant shall previously have
 - (i) furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the mutilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original unit certificate,
 - (ii) paid all expenses in connection with the investigation of the facts,
 - (iii) in case of mutilation or wearing out or defacement, produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificates, and
 - (iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require

(2) The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

XVI Register of unitholders

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders—

- (1) A register of this unitholders shall be kept by the Trust and there shall be entered in the register .
 - (a) the names and addresses of the unitholders,
 - (b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person, and
 - (c) the date on which such person become the holder of the units standing in his name
- (2) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require shall alter the register accordingly. Any change pursuant to death of an applicant who has applied for units for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person shall be entered in the register accordingly
- (3) Except when the registers are closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge
- (4) The register will be closed at such times and for such periods as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 30 days in any one year, the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspapers as the Board may direct
- (5) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVII Application by and registration of companies, bodies corporate, eligible institutions, minors an Applicant for the benefit of a mentally handicapped person :

- (1) Companies, bodies corporate, eligible institutions & societies may be registered as unit holders
- (2) An adult, being a parent, step parent or other lawful guardian of a minor (who is a physically/mentally handicapped person) may hold unit and deal with them in accordance with and to the extent provided, in sub-section (2A) of Section 21 of the Act. Such adult if so required shall furnish to the Trust, in such manner as may be specified, proof of the age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor. The Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof.

(3) Where an application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements and certificates furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be good discharge to the Trust

(4) Applications by eligible institutions, bodies corporate, societies or companies shall be accompanied by the relevant documents showing the applicants competence to invest in units, such as Memorandum and Articles, Bye laws etc. an authorised copy of the resolution by the managing body, and a copy of the requisite power of attorney

(5) A firm or other association of persons, (not being incorporated) as such, shall not be registered as a unitholder.

XVIII. Receipt by unitholder to discharge Trust

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of this units represented by the certificate shall be a good discharge to the Trust.

XIX. Nomination by unitholders and agents

- (1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right or make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.
- (2) Unitholders being either parent of Lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, companies, bodies corporate, societies an applicant who has applied for Units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

XX. Transfer of Units :

No transfer of units issued under this Scheme shall be permissible.

Notwithstanding this a unitholder may pledge all the units covered in a certificate with a Bank for availing a loan but not any of the post dated Income Distribution warrants and the Trust shall record upon pledge a lien. The bank holding the pledge upon enforcing it could be registered as a transferee unitholder.

XXI. Death or bankruptcy of a unitholder :

- (1) In the event of death of a unitholder, the nominee/s shall be the person/s recognised by the Trust as the person/s entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations.
- (2) In the absence of a valid nomination by a unitholder the executor or administrators of the deceased unitholder or a holder of succession certificate issued under Part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.
- (3) Any person becoming entitled to the units consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder may, upon producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be paid the repurchase value of all units to the credit of the deceased at par after all the formalities in connection with the claim have been complied with by the claimant.
- (4) In the event of the sole nominee under the unit certificate being a person eligible to hold units then at the desire of the said nominee, the nominee may instead of receiving the repurchase value of all units to the credit of the deceased shall be permitted to hold the units as a unitholder and continue to remain registered as a unitholder and shall be issued a unit certificate in his name in respect of units so desired to be held subject to the conditions regarding minimum holdings.
- (5) In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant.

XXII Investment Limits :

- (1) Investment by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies. Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of said funds.
- (2) The limits prescribed under sub-clause (1) shall not apply to investments of the Trust in bonds and debentures and deposits of a company whether secured or not.

XXIII Income Distribution :

- (1) The Income Distribution under the scheme which shall be at a rate of 12% per annum and made payable on a monthly basis may be subject to revision by the Trust based upon the income of the scheme and other relevant factors.
- (2) The Income Distribution for each month shall be made payable at the beginning of the following month and will be paid by the Trust under such pre-payment arrangements by means of Income Distribution Warrants or any instrument encashable at par at the branches of such bank as the Trust may specify.

Such of those units as have been sold under an application accepted by the Trust on/or before the 15th day of the month shall alone be eligible for Income Distribution for that month.

- (3) Provided that the Income Distribution for the months April, May, June and July, 1988 shall be forwarded to the unitholder alongwith the post dated Income Distribution Warrants for the months August, 1988 to March 1989, provided further that the Income Distribution for the 12 months or as the case may be, shall be distributed to the unitholders during August 1988 out of the income accrued during the period and such distribution shall be at a rate equivalent to 12% per annum depending upon the month of acquisition of units and other relevant factors. The Board of Trustees, however reserve the right to declare an interim dividend for the purpose. The Trust reserves the right to forward post dated Income Distribution Warrants for such period as the Trust may determine.
- (4) Subject to the provisions of sub-clause (2), the warrants for payment of income distribution on a monthly basis will be sent to the unit holder once a year and the warrants will be so dated that the unitholder shall encash each one of the warrants on becoming mature for payment. Every warrant shall have validity for three months. The Trust shall not be bound to pay interest in the event of any of the warrants not reaching the unitholders before the expiry of the validity period of in the event of their becoming stale.
- (5) In the event of a repurchase which shall always in full, the unitholder upon non-surrender of unpaid warrants shall be entitled to encash these warrants which are due for the subsequent months and remaining in the custody of the unitholders on the dates of maturity and the amount represented by such Income Distribution Warrants shall be deducted from the repurchase proceeds.
- (6) In the event of the death of the unitholder if the sole nominee is eligible to hold units and desires to continue to hold the units, then the sole nominee shall be bound to return all the unencashed warrants for the future months for necessary rectification.

However, such a nominee desiring to continue to hold the units shall not be entitled to any interest or any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased unitholder to those in favour of the newly admitted unitholders.

- (7) In the event of the death of an applicant where the application is made by an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person, the alternate applicant shall be bound to return all the unencashed Income Distribution Warrants for future months for necessary rectification. However, such alternate applicant shall not be entitled to any interest or/any compensation during the period it takes the Trust to rectify the warrants already issued in favour of the deceased applicant to those in favour of the newly admitted applicant.
- (8) Notwithstanding anything contained in the foregoing sub-clause, the Trust reserves its right to make the Income Distribution on a quarterly, half yearly

or annual basis as the case may be, should the reasons of expediency cost, interest of unitholders and other circumstances make it necessary for the Trust to do so. In such an event the Trust shall notify the unitholders by a Publication in two leading English language daily newspapers. No unitholder shall have a right to claim Income Distribution on monthly basis after the Trust makes a notification as above.

- (9) The Trust may declare a bonus dividend at anytime during the third year after 1st July 1991 which will be paid to the unitholders after the end of the fourth year, after 1st July 1992.

XXIV. Publication of Accounts :

The Trust shall as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board showing the working of the scheme during the period ending as of that date. The Trust shall, on a request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

XXV. Additions and Amendments to the Scheme :

The Board may from time to time add to or otherwise amend this scheme and any amendment/addition thereof will be notified in the Official Gazette.

XXVI. Termination of the Scheme :

The Scheme shall stand finally terminated as of 1st July, 1993. All unitholders who have participated in the Scheme for the entire period of 15 years shall be paid the value of the units at the repurchase price fixed for the final repurchase during the above period. Besides, receiving the final repurchase price determined no further benefit of any kind either by way of increase in the repurchase value or by way of dividend for any subsequent period shall accrue and the repurchase value will be paid by the Trust as early as possible after the unit certificate with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The unit certificate received for repurchase shall be retained by the Trust for cancellation.

XXVII. Special provision relating to conversion from MIS-83 and GIS-83

An unitholder who has exercised an option to convert the units held by him in the Monthly Income Unit Scheme—1983 or the GIS—1983 to units under this scheme shall be deemed to be a unitholder under this scheme and shall be bound by the provisions of the scheme. He shall to all intents and purposes participate in the scheme for the currency of the scheme and shall be entitled to all the rights and benefits accruing to the unitholder under this scheme on par with fresh applicants subject to some consequential variations. On his exercising such an option to participate in this scheme, he shall be issued a fresh certificate in lieu of the certificate already held by him and the old certificate on which the option to convert is exercised shall be treated by the Trust as cancelled, deleted and destroyed and no claim whatsoever shall lie with the old certificate. The option is irreversible and irrevocable.

The unitholder under MIS—83 or GIS—83 shall, if he was a single holder be entitled to hold the units jointly under the scheme and shall submit the application accordingly. However a unitholder under MIS-83 or GIS-83 could if he was holding only one unit certificate have the certificate sub-divided into permissible lots or if he was holding more than one unit certificate under any of the scheme, the unitholder shall be entitled to consolidate two or more certificates into one certificate under the scheme. The conversion will take place immediately after the maturity of the MIS—83/GIS—83 and hence the five year period under the scheme will extend by a month viz. 30th June 1993. The Income Distribution Warrants for the first year will be for a period of 9 months as the conversion will take effect from 1st July, 1988.

XXVIII Scheme to be binding on Unitholders :

The terms of the scheme including any amendments, changes thereto from time to time should be binding on each

unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding notwithstanding anything contained in the provisions of the scheme.

XXIX Benefits to the unitholders :

All benefits accruing under the scheme in respect of capital and reserves and surpluses, if any, at the time of the closure of the scheme shall be available only to the unitholders who hold the units for the full term of the scheme till its closure.

XXX Copy of Scheme to be made available :

A copy of this scheme incorporating all amendments there-to shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours and may be supplied by the Trust to any person on application and payment of Rupees Five.

XXXI Power to construe provisions :

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the scheme, in so far such construction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the scheme and such decision shall be conclusive.

XXXII Relaxation/variation/modification of provisions :

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust may in order to mitigate hardship or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

UNIT TRUST OF INDIA

(Incorporated under the Unit Trust of India Act, 1963)

MONTHLY INCOME UNIT SCHEME WITH EXTRA

BONUS & GROWTH (10)—1988

(CLAUSE XI)

UNIT CERTIFICATE NO.

NO. OF UNITS

This is to certify that the person/named in this Certificate is the Registered Holder of

This is to certify that the persons named in this Certificate is the Registered Holder of.

Units, each of the face value of Rupee ten, subject to the provisions of the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963), the Regulations framed thereunder and the Monthly Income Unit Scheme With Extra Bonus & Growth (10)—1988.

Name

FOR THE UNIT TRUST OF INDIA

DATE

CHAIRMAN

TRUSTEE

FORM OF APPLICATION FOR REPURCHASE OF ALL UNITS

Date :

TO,
Unit Trust of India,

I/We offer to the Trust for repurchase

at the repurchase price on the Acceptable date all units comprised in the certificate.

The price of the units may be paid to me/us by* cash/cheque/bank draft at my/our cost.

Signature of witness

Signature/s of holder(s)

1. _____

2. _____

Name : _____

Occupation : _____

Address : _____

Signature of witness

Name : _____

Occupation : _____

Address : _____

Acceptance date _____

*Delete words inapplicable.

1. This scheme matures for repayment on 1st July, 1993. Thereafter, no further benefit will accrue.

2. This certificate duly signed and witnessed by two witnesses by the holder must be submitted to the Trust by 10th June, 1993.

A. K. THAKUR
General Manager (DPD)

